04 - फैलेगी जब ये रौशनी प्रभावित होंगे विश्वविद्यालय

05 - न्यायालय के निर्णयों में 'न्याय' के साथ 'संतुलन' का भी 'भाव'...

A Daily News Magazine

इंदौर

शुक्रवार, 19 अप्रैल, 2024

06- शोभायात्रा में श्रीरामलला की मूर्ति रही आकर्षण का केंद्र

07- श्रीराम के जयकारों से गूंजी धारा नगरी...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 184 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

इजरायल की ईरान के साथ सीधी जंग के खतरे बिल्कुल अलग हैं

मनोज जोशी

इजरायल-हमास युद्ध की आग अब पूरे क्षेत्र को जलाने का खतरा पैदा कर रही है। शनिवार, 13 अप्रैल की रात ईरान ने इजरायल पर लगभग 350 ड्रोन और मिसाइलें लॉन्च कीं। भले ही इनमें से अधिकांश को मार गिराया गया, लेकिन कई मिसाइलों ने कुछ इजरायली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

दुनिया की सांस थमी है और उसे इंतजार है कि क्या इजरायल जवाबी कार्रवाई करेगा? या जैसा कि अमेरिका कह रहा है कि हमले से सफलतापूर्वक निपटने के बाद तेल अवीव को इसे अपनी जीत बतानी चाहिए और तेहरान के खिलाफ आगे की कार्रवाई से बचना चाहिए। जहां तक ईरान का सवाल है, संयुक्त राष्ट्र में उसके सैन्य मिशन ने घोषणा की कि उसकी सैन्य कार्रवाई खत्म हो गई है। इससे पहले ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज स्ट्रेट में इजरायल से जुड़े कार्गो जहाज पर कब्जा कर लिया था। इस कार्गो जहाज के चालक दल के 25 सदस्यों में से लगभग 17 भारत से हैं, और नई दिल्ली ने तत्काल उनकी हिरासत का मुद्दा तेहरान के सामने उठाया है। कुछ दिन पहले, ईरान ने तेल के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग- होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की धमकी दी थी।

यह घटना दिखा रही है कि युद्ध किस तरह लहर पैदा कर रहा है जो हमारे तटों तक पहुंच रही हैं। भारत अपना अधिकांश तेल सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात से होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से प्राप्त करता है। भारतीय नौसेना हुती के हमलों के खिलाफ अरब सागर में जहाजों की सुरक्षा में पहले से ही सक्रिय है। अब भारत ने अपने नागरिकों को ईरान या इजरायल की यात्रा न करने की सलाह दी है और हवाई मार्गों को डायवर्ट कर दिया गया है, जिससे यात्रा का समय बढ़ गया है।

इजरायल पर ईरान का हमला दरअसल जवाबी हमला है। 1 अप्रैल को दमिश्क में एक राजनयिक भवन पर हमला हुआ था जिसमें ब्रिगेडियर-जनरल मोहम्मद रजा जाहेदी और छह अन्य कुद्स फोर्स के अधिकारी मारे गए थे। यह फोर्स ईरान के आईआरजीसी की पांच शाखाओं में से एक है जो विदेश में विशेष अभियानों और खुफिया जानकारी में विशेषज्ञता रखती है। अमेरिका ने आईआरजीसी को 'आतंकवादी' संगठन के रूप में नामित किया है।

इजरायल ने कहा कि उन्होंने हवाई हमले में से अधिकतर को मार गिराया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यूनाइटेड किंगडम, सऊदी अरब और जॉर्डन की तरह अमेरिकी सेना ने भी दर्जनों मिसाइलों और ड्रोनों को रोका था। एक्स (पहले ट्विटर) पर कई रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने इजरायल में रेमन एयर बेस पर सात और नेवातिम एयर बेस पर सात टारगेट हिट किये। हालांकि इससे होने वाले नुकसान का पता नहीं चला है।

ईरान की दागी गई मिसाइलों ने इजरायल में टारगेट हिट किया है, यह तथ्य बताता है अबतक दोनों देशों के बीच जो परदे के पीछे से युद्ध (प्रॉक्सी वॉर) चल रहा था वो कई कदम आगे बढ़ चुका है। एक राजनयिक भवन पर हमला करने के लिए इजरायल के खिलाफ ईरान को सीधा जवाब देने की आवश्यकता थी। इजरायल के लिए गाजा पर बमबारी करके उसे तबाह करने में बहुत कम या कोई समस्या नहीं हुई है। लेकिन ईरान के साथ सीधे टकराव का अंजाम कहीं अधिक खतरनाक हो सकता है। इजरायल के पास ईरान के खिलाफ इसी तरह का अभियान शुरू करने की सैन्य क्षमता नहीं है, और अधिक से अधिक, वह हवाई और कमांडो हमले शुरू कर सकता है।

लेकिन उसके सहयोगी अमेरिका के लिए चुनौती अलग है। जिस तरह उसे अफगानिस्तान से अपमान का घूंट पीकर निकलना पड़ा, उसके ठीक ढाई साल बाद वह फिर से खुद को दक्षिण-पश्चिम एशिया के युद्ध में घसीटता हुआ पा सकता है। इजरायल-हमास युद्ध को शुरू हुए छह महीने गुजर चुके हैं। अब गाजा में इजरायली हमलों के लिए अमेरिका समर्थन शर्तों से बोझिल होता जा रहा है। लेकिन साथ ही वाशिंगटन ने यह सुनिश्चित किया है कि इस क्षेत्र में तथाकथित ईरानी प्रॉक्सी के हमलों का जवाब दिया जाए। अब अमेरिका ने ईरान के सीधे हमले को विफल करने में इजरायल का समर्थन करने के लिए त्वरित कार्रवाई की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के अनुसार, अमेरिका ने पिछले सप्ताह इजरायल की रक्षा के लिए विमान और बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस डिस्ट्रॉयर का इस्तेमाल किया था। उन्होंने ईरान को दो शब्द में चेतावनी जारी की थी- मत करो-और कहा कि 'अमेरिका इजरायल की रक्षा के लिए समर्पित है।'

हालांकि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश 1 अप्रैल को ईरान के राजनयिक भवन पर हमला करने के लिए इजरायल से खुश नहीं हैं। एक स्तर पर, इस हमले ने संकेत दिया है कि इजरायल अपने सहयोगी और संरक्षक, अमेरिका के नजरिए की कद्र नहीं करता। अमेरिका को चिंता है कि ईरानी हमले की प्रतिक्रिया से विनाशकारी परिणामों के साथ एक बड़ा क्षेत्रीय युद्ध हो सकता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि इजरायल के पास परमाणु हथियार हैं और ईरान परमाणु क्षमता हासिल करने के करीब है। इजरायल और हमास के बीच जबसे युद्ध की शुरुआत हुई है, अमेरिका और ईरान बिना खुलकर सामने आए संघर्ष में हैं। लेकिन कोई भी देश पूरी तरह से ऐसा युद्ध नहीं चाहता है जिसके नतीजे अप्रत्याशित हों। परदे के पीछे के इस संघर्ष के एक भाग के रूप में, सीरिया, इराक और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और संपत्तियों पर लगभग 200 हमले हुए हैं, जिसकी वजह से दर्जनों अमेरिकी जवान घायल हुए हैं। अमेरिकियों ने कड़ी जवाबी कार्रवाई करते हुए हवाई हमलों के जरिए 30 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है।

अमेरिका के पास इराक में दर्जनों ठिकानों में लगभग 2500 कर्मचारी हैं। साथ ही सीरिया में उसके 800 और जॉर्डन में लगभग 200 कर्मचारी हैं। वे वहां इस्लामिक स्टेट और ईरान समर्थित समूहों के खिलाफ गुप्त अभियान चलाते हैं। अमेरिका इराक के अंदर दो एयरबेस, अल असद और अल हरीर से भी काम करते हैं। इन दोनों एयरबेस को भी आतंकवादी हमलों का सामना करना पड़ा है। अमेरिका अब दक्षिण-पश्चिम एशियाई क्षेत्र में किसी दूसरे युद्ध में शामिल नहीं होना चाहेगा।

जहां तक ईरान का सवाल है, उसके पास अमेरिका से मुकाबला करने की क्षमता नहीं है, और चीन और रूस जैसे उसके दोस्त, उनके समर्थन में उदासीन दिखे हैं। लेकिन वर्तमान में जो इजरायल की सोच है, वह संभवतः नेतन्याहू के किसी भी तरह सत्ता में बने रहने के एकमात्र उद्देश्य से निर्देशित है।

(क्विंट हिंदी पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

ब्राउन टीले हटाने से दुबई में बाढ़ हरे धब्बे बने काल

• सऊदी में भी खतरा, जीरोफाइट्स और जीरोकोल्स का बिगड़ा बैलेंस

क्लाउड सीडिंग या क्लाइमेट चेंज बन रहा खाड़ी देशों के लिए खतरा

दुबई (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात का चकाचौंध वाला शहर दुबई इन दिनों में बाढ़ और बारिश से दुबका पड़ा है। रास्तों पर पानी भरा पड़ा है और गली-मोहल्ले और आलीशान टॉवर सब भीगे पड़े हैं। यहां पर 24 घंटे से ज्यादा लगातार बारिश ने सबका जीना मुहाल कर दिया है। ऐसे रेगिस्तानी इलाके में बाढ़ जैसे हालात पैदा होना पूरी दुनिया के लिए अनोखी बात है। कोई इसे आर्टिफिशियल रेनफॉल का नतीजा मान रहा है, जिसे क्लाउड सीडिंग से अंजाम दिया जाता है तो कुछ एक्सपर्ट इसे क्लाइमेट चेंज का नतीजा मान रहे हैं। हर कोई असमंजस में है। दिल्ली यूनिवर्सिटी की जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में एनवायरनमेंटल स्टडी डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सना रहमान कहती हैं कि दुबई हो या सऊदी अरब इन रेगिस्तानी इलाकों का इको सिस्टम बीते 20 सालों से काफी बिगाड़ दिया गया है। यहां का नेचुरल मौसम शुष्क है, जिसको संतुलित करने के लिए वहां पर कैकटस फैमिली के पेड़-पौधे यानी जीरोफाइट्स और ऊंट-नेवले जैसे सूखे मौसम में रहने वाले जीव यानी जीरोकोल्स रहते हैं। मगर, ऊंची-ऊंची इमारतें बनाने और चकाचौंध मार्केट बनाने व पूरे शहर को कंक्रीट का बनाने के चक्कर में वहां का वातावरण बिगाड़ दिया गया है। ऐसे में वहां पर आर्टिफिशियल बारिश कराई जाती है, जिसे क्लाउड सीडिंग भी कहते हैं। ये इतना ज्यादा हुआ है कि इससे बारिश और बाढ़ के हालात बन जाते हैं।

रामनवमी पर हिंसा को लेकर ईसी पर भड़कीं सीएम ममता

• कहा-मेरे मना करने के बाद भी दो दिन पहले डीआईजी को हटाया

कोलकाता (एजेंसी)। रामनवमी के दिन पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में रैली के दौरान हिंसा को लेकर टीएमसी और बीजेपी में ठन गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि रामनवमी से दो दिन पहले चुनाव आयोग ने भाजपा के कहने पर मुर्शिदाबाद के डीआईजी को हटाया गया। टीएमसी अध्यक्ष का दावा है कि भाजपा ने हिंसा की योजना बनाई है। ममता ने चुनाव आयोग को भाजपा आयोग कहकर संबोधित किया। उधर, भाजपा ने हिंसा के खिलाफ एनआईए जांच की मांग की है। गुरुवार को ममता बनर्जी ने कहा, हिंसा पूर्व नियोजित थी। परसों (मंगलवार) इसी जगह पर बीजेपी के एक विधायक ने उत्पात मचाया। वह कल रामनवमी रैली में हथियार क्यों ले जा रहे थे। मैं भाजपा आयोग से पूछना चाहती हूं कि रामनवमी से ठीक पहले डीआईजी को क्यों हटाया गया। क्या यह बीजेपी की मदद के लिए किया गया था। चूंकि मुर्शिदाबाद से भाजपा के दो विधायक हैं, इसलिए यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि मुख्यमंत्री किसका जिक्र कर रही थीं।

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

ऊब और उदासियों से पगे दिन
जब देह आलू सी ढुलकी पड़ी हो
न आँख को कुछ भाये न मन को
बेस्वाद तरकारी सी दुपहर
जागती रातें
ऐसे दिन जब दिमाग़ लोहे सा हो जाए
वो भी ज़ंग लगा
कुछ भी अच्छा नहीं लगने वाले दिन
काटे नहीं कटते वाले दिन
बेमज़ा बेसबब
तारीख़ भूलने और
हर काम टालने वाले
बेवजह रो देने
चुप्पी ओढ़ लेने वाले दिन
जिनका हिसाब ही न हो
बेकार उसपर महँगे पड़ने वाले
मौसम के ताप से चामट हुए दिन
वे दिन
जब ज़ोर से खुद पर चिल्लाने का मन करे
और गला बैठा हो।

- श्रुति कुशवाहा

मां-बाप ने बिहार को बेहाल कर दिया और बेटा गाजा-इजरायल पर ज्ञान दे रहा

• पीके ने तेजस्वी यादव को घेरा, एक टिप्पणी को बनाया अपना चुनावी हथियार

पटना (एजेंसी)। बिहार में शुक्रवार को पहले चरण की चार सीटों पर चुनाव होना है। प्रदेश में आरोप प्रत्यारोप का भी दौर जारी है। इस बीच, चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने गुरुवार को राजद नेता तेजस्वी यादव पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने साफ़ लहजे में कहा कि तेजस्वी जैसे नेता अगर देश को नई दिशा देने लगेंगे तो देश का वही हाल होगा जैसे लालू-राबड़ी ने बिहार का किया था। उन्होंने कहा कि इससे देश का कोई भला होने वाला नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने तेजस्वी यादव को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि तेजस्वी के पिताजी और माता ने बिहार को दिशाहीन कर दिया। तेजस्वी को तो अपनी जिम्मेदारी समझनी थी।

'ईवीएम' में गड़बड़ी की शिकायतों पर ध्यान दें

आरोपों पर चुनाव आयोग से बोला सुप्रीम कोर्ट

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में गड़बड़ी और दूसरों का वोट भी भाजपा को ट्रांसफर होने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस भेजा है। शीर्ष अदालत ने आयोग से कहा है कि वह इन शिकायतों पर संज्ञान लें। अर्जियों में आरोप लगाया गया था कि केरल के कासरगोड में मॉक पोलिंग के दौरान ऐसा हुआ था कि हर वोट भाजपा को ही जा रहा था। इस केस की सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस संजीव खन्ना ने आयोग के वकील से कहा कि वह इस पर संज्ञान लें। वीवीपैट को लेकर दाखिल अर्जी पर बेंच ने कहा, केरल के कासरगोड में मॉक पोलिंग हुई थी। 4 ईवीएम और वीवीपैट में भाजपा का एक अतिरिक्त वोट मिला था। मनोरमा में यह रिपोर्ट मिली थी। इस पर बेंच ने चुनाव आयोग के वकील महिंदर सिंह से कहा कि आप इसका संज्ञान लें और एक बार चेक कर लें। दरअसल अदालत में कई अर्जियां दाखिल की गई हैं, जिसमें मांग की गई है कि ईवीएम से पड़ने वाले सारे मतों का वीवीपैट स्लिप से वेरिफिकेशन किया जाए।

ईडी ने कसा शिकंजा, शिल्पा शेट्टी का फ्लैट किया कुर्क

• राज कुंद्रा का बंगला और शेयर भी शामिल, मनी लॉन्ड्रिंग केस में 97 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की 97.79 करोड़ की प्रॉपर्टी कुर्क की है। इसमें शिल्पा शेट्टी का जुहू वाला फ्लैट और राज कुंद्रा के नाम पर रजिस्टर्ड बंगला और इक्विटी शेयर शामिल हैं। मामला 2002 के बिटकॉइन पॉन्जी स्कीम घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। ईडी ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है। ईडी ने वेरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड और आरोपी दिवंगत अमित भारद्वाज, अजय भारद्वाज, विवेक भारद्वाज, सिम्पी भारद्वाज, महेंद्र भारद्वाज और अन्य के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस और दिल्ली पुलिस में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। जांच एजेंसी का आरोप है कि आरोपियों ने बिटकॉइन के रूप में हर महीने 10 फीसदी रिटर्न के झूठे वादे के साथ लोगों से बिटकॉइन इकट्ठा की थी।

21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर वोटिंग आज

• 2019 में भाजपा 40, डीएमके 24

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव के फर्स्ट फेज में शुक्रवार यानी 19 अप्रैल को 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा ने 40, डीएमके ने 24, कांग्रेस ने 15 सीटें जीती थीं। अन्य को 23 सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के पहले फेज में कुल 1,625 कैंडीडेट्स मैदान में हैं, जिनमें 1,491 पुरुष और 134 महिला उम्मीदवार हैं। इनमें महिलाएं केवल 8 फीसदी हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) ने 1,618 उम्मीदवारों के हलफनामे में दी गई जानकारी पर एक रिपोर्ट तैयार की। इनमें से 16 फीसदी यानी 252 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। वहीं, 450 यानी 28 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। 10 ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है, जबकि तीन के पास 300 से 500 रुपए की संपत्ति है।

भोपाल लोकसभा क्षेत्र हर बार जीत के नए रिकॉर्ड बना रहा है

हम श्रीराम-श्री कृष्ण की संस्कृति वाले लोग हैं

भोपाल। भोपाल लोकसभा सीट हर बार जीत के नए रिकार्ड बना रही है। इस बार भी भोपाल में गाड़ा गया खंब सबसे अलग दिखना चाहिए। हमारे प्रत्याशी आलोक शर्मा ऐसे प्रत्याशी हैं, जिनको जहां से चुनाव लड़ने का बोला वे वहां पहुंच गए। विधानसभा चुनाव में उत्तर सीट से जिम्मेदारी दी तो वहां भी लड़े। उत्तर विधानसभा सीट चुनौती वाली थी, लेकिन वे चुनौती से डरे नहीं, बल्कि डटकर मुकाबला किया। हमारा भाजपा का परिवार लगातार बढ़ता जा रहा है और कांग्रेस के लोगों को रात-दिन सपने आ रहे हैं, उन्हें बिजली के झटके लग रहे हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भवानी चौक में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही। जब बादल गरजते हैं तो आज भी हड्डियां दुखती हैं और कर्फ्यू वाली माता मंदिर का मैदान याद आता है। वह हमारा संघर्ष का इतिहास था, लेकिन आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकास का एक नया इतिहास लिखा जा रहा है। रामनवमीं पर भगवान रामलला का सूर्य तिलक हुआ। देश में कोई मंदिरों और घरों में रंगोलियां बनाकर पूजन-अर्चन कर रहा था तो कोई बेटियों को पूजकर खुशियां मना रहा था, लेकिन देश में सिर्फ एक पार्टी कांग्रेस दुखी थी। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कही। सभा के पहले मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, पार्टी नेताओं एवं प्रत्याशी श्री आलोक शर्मा ने साथ कर्फ्यू वाली माता मंदिर भवानी चौक में पूजन अर्चन किया।

सागर पहुंचे सीएम मोहन यादव, किया प्रचार

भाजपा प्रत्याशी के साथ रोड शो में हुए शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को सागर में थे। दाखिल किए जाने के पहले उनके समर्थन में आयोजित रोड शो में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री पहुंचे थे। निर्धारित समय से लगभग सवा घंटा देरी से बालाजी मंदिर स्थित हेलीपैड पर पहुंचे सीएम यादव का भाजपा जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, स्थानीय विधायक शैलेंद्र जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह, आदि ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 19 अप्रैल 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

काम में भेदभाव किया तो मुझे वोट न दें: गडकरी

नागपुर की जनता को परिवार बताया, 101 फीसदी जीत का दावा

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और नागपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार नितिन गडकरी ने बुधवार को एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, उन्होंने कभी भी काम को लेकर किसी से भेदभाव नहीं किया है। वह सबको साथ लेकर चले हैं, फिर भी किसी को लगता है कि उसके साथ भेदभाव हुआ तो वे उन्हें वोट न दें। गडकरी ने यह बातें लोकसभा चुनाव के पहले चरण का प्रचार खत्म होने से पहले कहीं। 19 अप्रैल को 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें महाराष्ट्र की नागपुर लोकसभा सीट भी है। अपने काम को ही अपनी पहचान बताने वाले गडकरी ने कहा- मुझे जो भी पहचान मिली है वह नागपुर के लोगों की है। मैंने यहां के लोगों को समान दृष्टि से देखा है। यहां तक कि पति-पत्नी, परिवारों, राजनीतिक दलों के बीच मतभेद होते हैं, लेकिन पिछले दस सालों में मैंने सभी को बराबर देखा।

अमेठी में राहुल गांधी के करीबी ने भी छोड़ी कांग्रेस

- बीजेपी में गए विकास अग्रहरि, संभालते थे राहुल का चुनाव प्रचार

अमेठी (एजेंसी)। यूपी की हॉटसीट अमेठी (लोकसभा चुनाव 2024) पर सबकी नजर है। अभी तक कांग्रेस तय नहीं कर पाई है कि यहां से पूर्व सांसद राहुल गांधी दोबारा चुनाव लड़ेंगे या नहीं। अमेठी से उम्मीदवार के सवाल पर खुद राहुल गांधी स्पष्ट जवाब देने से बच रहे हैं। इस बीच, यहां से कांग्रेस को तगड़ा झटका लग गया है। राहुल गांधी का चुनाव प्रचार संभालने वाले कांग्रेस नेता विकास अग्रहरि ने अब बीजेपी का दामन थाम लिया है। केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी की मौजूदगी में उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की है। बीजेपी जिलाध्यक्ष राम प्रसाद मिश्रा भी इस मौके पर उपस्थित रहे। विकास अग्रहरि को एक दिन पहले बुधवार को ही कांग्रेस ने सोशल मीडिया विभाग का प्रदेश सह समन्वयक बनाया था। जगदीशपुर के रहने वाले विकास अग्रहरि को राहुल गांधी का करीबी बताया जा रहा है। इससे पहले 11 अप्रैल को भी बड़ी संख्या में दूसरे दलों के नेता और कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल हुए थे। बीजेपी सांसद स्मृति इरानी के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में अमेठी विधानसभा के 54 ग्राम प्रधान, पूर्व ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और पूर्व ब्लॉक प्रमुख भाजपा में शामिल हुए। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने कहा था कि देश भर के लोगों के फोन उनके पास आ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमित शाह ने गुजरात में की चुनाव प्रचार की शुरुआत

- गृह मंत्री के गांधीनगर में दिन में तीन रोड शो

गांधीनगर (एजेंसी)। गांधीनगर लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 19 अप्रैल को नामांकन फॉर्म भरने जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने आज गांधीनगर लोकसभा के अंतर्गत आने वाले साणंद में एक मेगा रैली कर गुजरात में चुनाव प्रचार का श्रीगणेश किया। रोड शो साणंद में एपीएमसी सर्कल से शुरू

होकर नलसरोवर चौक पर समाप्त हुआ। अमित शाह का अगला रोड शो कलोल में जेपी गेट से टॉवर चौक तक होगा। तीसरा रोड शाम चार बजे वेजलपुर के सरदार पटेल चौक से नारणपुरा तक होगा। इसके बाद शाह रात आठ बजे वेजलपुर में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे। दूसरी बार गांधीनगर से चुनाव लड़ रहे अमित शाह ने अपनी चुनावी राजनीतिक की शुरुआत गांधीनगर से की थी। उन्होंने 2019 में पहली बार गांधीनगर से चुनाव लड़ा था। अब दूसरी बार मैदान में हैं।

अनंतनाग में गैर कश्मीरी को आतंकियों ने मारी गोली

- बिहार के शंकर शाह की इलाज के दौरान मौत

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के अनंतनाग जिले के बिजबेहरा में बुधवार की शाम को आतंकियों ने फिर गैर कश्मीरी पर फायरिंग की। इस हमले में बिहार के रहने वाले शंकर शाह की मौत हो गई। शंकर के पेट और गर्दन में गोलियां लगी थीं। गंभीर हालत में उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इलाके की घेराबंदी की गई है। आज ही आर्मी ने

जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ जॉइंट ऑपरेशन नैना के तहत बिजबेहरा में ही दो लोगों पकड़ा था। इनके पास से हैंड ग्रेनेड, हथियार और अन्य सामान बरामद हुआ था। इससे पहले 8 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के पदपावन में आतंकियों ने गैर कश्मीरी स्थानीय ड्राइवर परमजीत सिंह को गोली मारी थी। वह दिल्ली का रहने वाला था। आतंकियों ने परमजीत पर उस वक्त हमला किया था जब वह अपने ड्यूटी पर था। घटना को अंजाम देने के बाद आतंकी मौके से भाग निकले थे। जम्मू और कश्मीर की 5 लोकसभा सीटों के लिए 5 चरणों में वोटिंग होनी है।

फर्जी मुठभेड़ है यह...

पूर्व सीएम बघेल ने दी सबूत पेश करने की बड़ी चुनौती

अब बीजेपी ने दी हवा, कहा- यह सुरक्षाबलों का अपमान

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में माओवादियों के लिए सुरक्षाबल के जवान काल बन गए हैं। लाल आतंक के गढ़ कांकेर में जवानों की बड़ी सफलता मिली है। इसके बाद प्रदेश की राजनीति भी गर्म हो गई है। विपक्षी कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बस्तर में फर्जी मुठभेड़ों में वृद्धि हुई है और आदिवासी आबादी चिंतित और डरी हुई है। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने मंगलवार को कांकेर मुठभेड़ के बाद कहा कि फर्जी मुठभेड़ को लेकर आलोचना की।

वहीं, बुधवार को बघेल ने सुरक्षा बलों के साहस की प्रशंसा की और कांकेर ऑपरेशन को बड़ी सफलता बताया। ऐसे में सवाल है कि क्या कांग्रेस लोकसभा चुनाव के बीच मुठभेड़ पर सवाल उठाकर सेल्फ गोल का शिकार तो नहीं हो रही। बघेल ने कहा कि कई फर्जी मुठभेड़ें हुई हैं जो हमारे शासन के दौरान नहीं हुई थीं।

आरएसएस की शाखा में जाकिर हुसैन को मिला पद

मुख्तार से रहा कनेक्शन, गैंगस्टर एक्ट में हो चुकी है कुर्की

गाजीपुर (एजेंसी)। मुख्तार अंसारी के सहयोगी रहे जाकिर हुसैन उर्फ विक्की को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का पूर्वांचल सहसंयोजक बनाया गया है। यह संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की एक शाखा है। मंच के राष्ट्रीय संयोजक ने जाकिर हुसैन को पूर्वांचल की जिम्मेदारी सौंपी है। मुख्तार अंसारी के गैंग से संबंध रखने वाले जाकिर हुसैन की करीब डेढ़ करोड़ की संपत्ति पिछले साल 25 जून को गैंगस्टर के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुर्क की थी। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संयोजक ठाकुर राजा रईस ने कहा कि वह उन मुसलमानों को खड़ा करना चाहते हैं जो राष्ट्र के लिए काम करें और देश की मुख्य धारा में शामिल हों।

घटना के वक्त मैं दिल्ली में नहीं था

आरोपों की जांच हो

- महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न मामले में बोले सांसद बृजभूषण सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैसरगंज उत्तर प्रदेश से सांसद और रेसलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह गुरुवार (18 अप्रैल) को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे। अदालत ब्रज भूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में आरोप तय करने के लिए फैसला सुनाने वाली थी। हालांकि, बृजभूषण का दावा है कि घटना के वक्त 7 सितंबर 2022 को वे दिल्ली में नहीं थे। इसलिए इन आरोपों की जांच की जाए। उन्होंने एफआईआर की कॉपी भी मांगी है। दलीलों के बाद कोर्ट ने 26 अप्रैल तक के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में जून 2023 में ब्रजभूषण के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। उनके खिलाफ धारा 354, 354-ए, 354-ए और 506 के तहत आरोप लगाए। इसी मामले पर पहली बार 18 जनवरी 2023 को रेसलर बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट

समेत 30 से ज्यादा पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन किया था। बृजभूषण शरण सिंह उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से 2009 से लगातार सांसद हैं।

ईडी का बड़ा आरोप-केजरीवाल जानबूझकर आम, मिठाई खा रहे

- ताकि ब्लड शुगर बढ़े और जमानत मिल जाए, दिल्ली सीएम 1 अप्रैल से तिहाड़ में हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर ईडी ने गुरुवार को बड़ा आरोप लगाया है। श्वष्ठ ने राउज रेवेन्यू कोर्ट में कहा है कि वह तिहाड़ जेल में जानबूझकर मीठा खा रहे हैं, ताकि इससे उनका शुगर लेवल बढ़ जाए और उन्हें मेडिकल के आधार पर जमानत मिल जाए। ईडी ने कहा कि केजरीवाल को टाइप-2 डाइबिटीज है, लेकिन वह जेल में आलू पूड़ी, आम और मीठा खा रहे हैं। केजरीवाल शराब घोटाले मामले में तिहाड़ जेल में 18 दिन से बंद हैं। कोर्ट ने उन्हें घर का खाना खाने की अनुमति दी है। दरअसल, केजरीवाल के वकील विवेक जैन ने ट्रायल कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर केजरीवाल के डॉक्टर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मेडिकल कन्सल्टेशन लेने की मांग की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि केजरीवाल टाइप-2 डायबिटीज के मरीज हैं और उनका ब्लड शुगर लेवल ऊपर नीचे होता रहता है। इसके जवाब में ईडी ने राउज रेवेन्यू कोर्ट को बताया कि केजरीवाल तिहाड़ जेल में जानबूझकर मीठा खा रहे हैं, ताकि इससे उनका शुगर लेवल बढ़ जाए और उन्हें मेडिकल के आधार पर जमानत मिल जाए।

सलमान के घर फायरिंग

हरियाणा से एक और संदिग्ध युवक पकड़ाया

- लॉरेंस के भाई से ले रहा था निर्देश, दोनों शूटरों के संपर्क में था

पंचकूला (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के घर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने हरियाणा से तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह आरोपी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के अमेरिका में बैठे भाई अनमोल बिश्नोई के टच में था। यही नहीं, जिन 2 शूटरों ने सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की, यह आरोपी पहले और बाद में उनके संपर्क में रहा। पुलिस को शक है कि इसी ने अनमोल बिश्नोई का निर्देश दोनों शूटरों तक पहुंचाया था। सलमान खान के घर 14 अप्रैल को फायरिंग की गई थी। जिसके बाद पुलिस ने फायरिंग करने वाले सागर पाल और विकास उर्फ विक्की गुप्ता को गुजरात से गिरफ्तार किया था। उनसे पूछताछ में पता चला कि वे फायरिंग को लेकर हरियाणा के इसी संदिग्ध को जानकारी दे रहे थे। मुंबई पुलिस हरियाणा से पकड़े संदिग्ध को

अपने साथ ले गई है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी नहीं डाली गई है। उससे पूछताछ की जा रही है। यह भी पता चला है कि शूटर विक्की और सागर को फायरिंग के लिए एक लाख रुपए दिए जा चुके थे।

बंगाल में भीषण गर्मी का कहर, स्कूलों में छुट्टी

भीषण गर्मी और लू से निकल रहा लोगों का दम

कोलकाता (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। इसमें पश्चिम बंगाल समेत कई पूर्वी और दक्षिण भारतीय राज्य शामिल हैं। बंगाल के कई इलाकों में पारा 42 डिग्री से भी पार कर गया है। मौसम विभाग ने अगले दो से तीन कई जिलों में लू की चेतावनी जारी की है। ममता बनर्जी सरकार ने कई जिलों में लू की भयावह स्थिति को देखते हुए समय से पहले सरकारी स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों का ऐलान कर दिया। सरकारी आदेश के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में 22 अप्रैल से गर्मियों की छुट्टियां पड़ेंगी। पश्चिम बंगाल में सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है, मौजूदा भीषण गर्मी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, सक्षम प्राधिकारी ने दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों के पहाड़ी क्षेत्रों के स्कूलों को छोड़कर, 22 अप्रैल से प्रदेश भर के सरकारी स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां पहले करने का फैसला किया है। अगले आदेश तक इसे जारी रखें। दक्षिण बंगाल के कुछ जिले लू जैसी स्थिति है।

बेंगलुरु में जय श्रीराम बोलने पर तीन लोगों को जमकर पीटा

- वीडियो वायरल, आरोपी कह रहे- जय श्रीराम नो, ओनली अल्लाह-हु-अकबर, चार गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। रामनवमी के दिन बेंगलुरु में 'जय श्रीराम' बोलने पर तीन युवकों को पीटने की घटना सामने आई है। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक व्यक्ति जय श्रीराम नो, ओनली अल्लाह हु अकबर कहता सुनाई दे रहा है। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना बुधवार दोपहर करीब 3.30 बजे की है। पुलिस के अनुसार पवन कुमार,राहुल और बिनायक निवासी संजीवनीनगर कार से एमएस पल्या इलाके की ओर जा रहे थे। वे जय श्रीराम बोल रहे थे। उनके पास भगवा ध्वज भी था। तभी चिक्काबेट्टाहल्लू इलाके के पास दो बाइक सवार पीछे से आकर कार को रोकते हैं। इन दोनों की पहचान फरमान और समीर के रूप में हुई है। फरमान कार सवारों से बहस करता है और अल्लाह हु अकबर कहने को कहता है। वह भगवा ध्वज छीनने की कोशिश भी करता है। तब तीनों कार सवार उसका पीछा करते हैं लेकिन फरमान और समीर भाग जाते हैं। कुछ देर बाद वे फरमान और समीर दो अन्य लड़कों को अपने साथ लेकर आते हैं और मारपीट करते हैं।

ईरान के कब्जे वाले जहाज से भारत लौटी इकलौती क्रू

- अभी भी 16 भारतीय शिप पर मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान ने ओमान की खाड़ी से जब्त किए शिप पर मौजूद भारतीय डेक कैडेट एन टेसा जोसेफ को रिहा कर दिया। गुरुवार को एन टेसा जोसेफ केरल के कोचीन एयरपोर्ट उतरीं। उनका यहां रीजनल पासपोर्ट अधिकारी ने स्वागत किया। जोसेफ की वतन वापसी पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुशी जताई है। उन्होंने ङ्क पर लिखा, शानदार काम इंडियन एम्बेसी, खुशी है कि एन टेसा जोसेफ घर पहुंच गई हैं। मोदी की गारंटी देश या विदेश हमेशा सभी जगह काम करती है। दरअसल, इजराइल पर हमले से पहले ईरान ने भारत आ रहे पुर्तगाल के झंडे वाले एक जहाज को ओमान की खाड़ी में होर्मुज पास से जब्त किया था। इसकी जानकारी 13 अप्रैल को दी गई थी। इस पर 25 क्रू मेंबर मौजूद थे जिनमें 17 भारतीय और दो पाकिस्तानी थे।

चिराग को गाली देने वालों पर चुन-चुन कर करेंगे कार्रवाई

सम्राट चौधरी ने कर दिया तेजस्वी यादव के खिलाफ ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार के जमुई लोकसभा क्षेत्र में राजद नेता तेजस्वी यादव की सभा में राजद कार्यकर्ताओं द्वारा लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान के परिजनों को गाली देने की घटना को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने पीड़ादायक बताते हुए भरोसा दिया है कि ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले फेज की वोटिंग से पहले पटना में गुरुवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि देश के दलितों के मसीहा स्वर्गीय रामविलास पासवान की पत्नी और चिराग पासवान की माताजी को जिस तरह गाली-गलौच राजद द्वारा किया जा रहा है, वह अशोभनीय और पीड़ादायक है। ऐसे लोगों पर जरूर करवाई होगी। सम्राट चौधरी ने लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि ऐसे लोगों पर चुन-चुनकर कर कार्रवाई की जाएगी। ऐसे गाली देने वाले लोग नहीं बचेंगे। बता दें कि बुधवार को जमुई लोकसभा सीट में राजद के नेता तेजस्वी यादव की चुनावी सभा में राजद कार्यकर्ताओं द्वारा लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान और उनके परिवारों को गाली दिए जाने का एक वीडियो वायरल हुआ। बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने भी मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने ट्वीट किया है कि अभी तक तो राजद के गुंडे कैमरे के पीछे दलितों पर हमले करते थे, अब सामने करने लगे हैं।

इंदौर-एदलाबाद हाईवे पर हरियाली का रखना होगा ध्यान

इंदौर, एजेंसी। हरियाली का ध्यान रखते हुए इंदौर-एदलाबाद हाईवे पर पौधे रोपे जाएंगे। वन विभाग की सिफारिश के बाद वन व पर्यावरण मंत्रालय ने एनएचएआइ के सामने नई शर्त रखी है। जहां सड़क के दोनों तरफ 15 फीट चौड़ी पट्टी में पौधे रोपना होंगे। उसमें भी मालवा-निमाड़ के वातावरण के अनुकूल में पनपने वाले पौधों लगाना होंगे। यह काम बरसात में शुरू किया जाएगा। एनएचएआइ ने मेघा कंस्ट्रक्शन कंपनी को निर्देश जारी कर दिए हैं, जिसमें प्राथमिकता छायादार पौधे लगाने की रखी है।

खास बात यह है कि पौधारोपण का पूरा खर्च एनएचएआई उठाएगा। 216 किमी बनने वाले राजमार्ग के लिए इंदौर-बड़वाह वनमंडल की 74 हेक्टेयर वनभूमि से सड़क निकाली जाएगी। यहां से करीब 9800 पेड़ निर्माण में बाधक बने हैं। इनका आकलन वन विभाग ने किया है। पेड़ों की मार्किंग, कटाई, परिवहन, पौधारोपण, वनभूमि की नेट प्रेजेंट वेल्यू (एनपीए) 24 करोड़ रुपये हैं। राजस्व की भूमि से भी पेड़ काटे गए हैं।

खर्च उठाएगा एनएचएआई

● 15 फीट चौड़ी पट्टी पर रोपेंगे पौधे, बरसात में निर्माण एजेंसी शुरू करेंगी काम

सड़क के दोनों ओर लगेंगे पौधे

अब हरियाली बढ़ाने को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए मंत्रालय ने सड़क के दोनों किनारों और डिवाइडर पर पौधे लगाने पर जोर दिया है। मालवा-निमाड़ में पाए जाने वाली प्रजातियों की सूची वन विभाग देगा। इन्हें लगाने का काम निर्माण एजेंसी को अपने स्तर पर करना होगा। बरसात में भले ही सड़क निर्माण और सुरंग की खोदाई का काम रोकना पड़ेगा। मगर सड़क के दोनों किनारों पर पेड़ लगाए जाएंगे। एवेन्यू एरिया में पौधे लगाने का खर्च अलग है, जो एनएचएआइ को उठाना होगा। मेघा कंस्ट्रक्शन के प्रोजेक्ट हेड नागेश्वर राव का कहना है कि सड़क के आसपास पौधे लगाने का काम बरसात में करेंगे। इन दिनों सड़क के कुछ हिस्से पर डामरीकरण का काम चल रहा है। एनएचएआइ के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुमेश बांझल का कहना है कि जिस हिस्से की सड़क का काम पूरा होगा। उसके बाद पौधारोपण किया जाएगा। इसके बारे में निर्माण एजेंसी को बताया दिया है।

इंदौर शहर का विकास अनियोजित, सुधार की बहुत गुंजाइश

संस्था सेवा सुरभि के कार्यक्रम 'रूबरू' में वक्ताओं ने लोकसभा प्रत्याशियों के सामने रखी अपनी बात

इंदौर, एजेंसी। नगर का विकास अनियोजित तरीके से हुआ है। पहले बसाहट नदियों के आसपास होती थी, लेकिन अब बायपास के आसपास हो रही है। आने वाले दिनों में इंदौर, देवास, पीथमपुर, उज्जैन एक हो जाएंगे, तब समस्या विकराल हो जाएगी। हमें इंदौर के अनियोजित विकास को सुधारने की दिशा में काम करना चाहिए। शहर में व्यक्तियों से ज्यादा वाहन हैं। नशे की समस्या इस शहर की बड़ी समस्या है। इसे हल करने के लिए कठोर कानून की आवश्यकता है। अब तक हमारे शहर का विकास सिर्फ जमीन पर हुआ है। हमें अब वर्टिकल विकास के बारे में भी सोचना होगा।

ये बातें संस्था सेवा सुरभि द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'रूबरू' में वक्ताओं ने कही। कार्यक्रम में लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी और कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम भी शामिल हुए। अभिभाषक अनिल त्रिवेदी ने कहा कि शहर के अनियोजित विकास में सुधार की जरूरत है। हमें इस दिशा में काम करना होगा। शिक्षाविद् डा. शंकरलाल गर्ग ने कहा कि इंदौर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव है। शोध और अनुसंधान को लेकर काम किया जाना चाहिए। इंदौर उत्थान अभियान के अजीतसिंह नारंग ने कहा कि शहर के लिए अच्छे मास्टर प्लान की आवश्यकता है। सेंट्रल लैब की डा. विनीता कोठारी ने कहा की जीवन शैली में बदलाव की वजह से शहर में दिल और किडनी के मरीज बढ़ रहे हैं।

यह बोले अन्य वक्ता.....

उद्योगपति अशोक बडजात्या ने कहा कि हमें वर्टिकल विकास की आवश्यकता है क्योंकि हमारे पास जमीन कम है। अर्थशास्त्री डॉ. जयंतीलाल भंडारी ने कहा कि इंदौर में विकास की बहुत संभावना है। हमारी जीडीपी पांच वर्ष में दोगुनी हो जाएगी। हमें इस पर काम करना चाहिए।

इंदौर के कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम पर आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत

इंदौर, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में इंदौर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी अक्षय बम के खिलाफ आचार संहिता उलंघन की शिकायत हुई है। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के पूर्व नगर संयोजक पंकज वाधवानी ने यह शिकायत दर्ज कराई है। इसमें कहा है कि 17 अप्रैल 2024 को इंदौर में प्रसारित होने वाले रेडियो चैनल में एक विज्ञापन प्रसारित किया गया है। इसमें बताया गया है कि कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम वह हैं जो घर-घर पानी पहुंचाते हैं। ये वे हैं जो हर जगह टैंकर पहुंचाते हैं जबकि नागरिकों के यहां तो नगर निगम द्वारा नर्मदा जल वितरण व्यवस्था के तहत पानी पहुंचाया जाता है। इसका बकायादा आमजन बिल भी भरते है। इस विज्ञापन में ऐसा दर्शाया गया है जैसे इंदौर के घर-घर में कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा जल वितरण व्यवस्था की गई है और जहां जल वितरण नहीं हो पाता है वहां उनके द्वारा टैंकर पहुंचाए जाते हैं। शिकायत में कहा है कि हो सकता है कि कांग्रेस प्रत्याशी ने कुछ स्थानों पर पानी पहुंचाया हो या टैंकर की व्यवस्था की हो, लेकिन विज्ञापन इस प्रकार से प्रसारित किया गया है जिससे आभास होता है कि प्रत्येक इंदौरवासी और इंदौर का मतदाता कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा वितरित किए जा रहे जल से अपनी प्यास बुझा रहा है। शिकायत में कहा है कि यह विज्ञापन गलत तथ्यों पर प्रसारित किया गया है जो निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन का उलंघन है। इंदौर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी 25 अप्रैल को नामांकन फार्म जमा करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री बुधवार रात इंदौर आए थे। अपने अल्प प्रवास पर मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट पर भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं से इस संबंध में चर्चा भी की।

लू के प्रकोप से बचाव के लिए दोपहर में बाहर निकलने से बचें

इंदौर, एजेंसी। इंदौर जिले में बढ़ते हुए तापमान को देखते हुये लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव हेतु एडवायजरी जारी की गई है। लू (तापघात) से बचाव हेतु नागरिकों से अपील की गई है कि लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव एवं उपचार के लिए जारी एडवायजरी में दिए गए सुझावों का पालन करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. बीएस सैत्या ने नागरिकों से कहा है कि लू (तापघात) के लक्षण दिखाई देते ही निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। बचाव के उपाय करें। उन्होंने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना लू (तापघात) के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं।

लू से बचाव के लिए यह करें

डॉ. सैत्या ने कहा है कि गर्मी व लू से बचाव के लिए खूब पानी पिएं व खाली पेट न रहें, शराब व कैफिन के सेवन से बचें, ठंडे पानी से नहाएं, सर ढंके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े, दिन में दोपहर 12 से शाम 4 के मध्य बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पांव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पिएं। बुखार व लू लगने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। ओआरएस का घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, फलों का रस इत्यादि का सेवन लाभदायक होता है।

कांग्रेस के मुख्य कार्यालय पर पार्टी की बैठकें

चुनाव कार्यालय पर बना रहे रणनीति

इंदौर, एजेंसी। कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन पर चुनावी मौसम पर दोपहर की गर्मी भारी पड़ती दिख रही है। दोपहर में कार्यालय संभालने वाले कर्मचारी व जिम्मेदार ही यहां नजर आते हैं। हालांकि शहर अध्यक्ष सुरजीतसिंह चड्ढा, कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र यादव लगभग प्रतिदिन शाम को कार्यालय पहुंच रहे हैं। संगठन के प्रदेश मुख्यालय और दिल्ली से आने वाली चिट्ठियों के साथ संदेशों पर कार्रवाई करना, संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश जारी करने का काम यहां से हो रहा है। शाम को कुछ अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता कार्यालय पर पहुंचते हैं। चुनावी चर्चा के बीच अपनी-अपनी जिम्मेदारियों के साथ अपने-अपने क्षेत्र में काम को लेकर बात होती है। कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की भीड़ गांधी भवन में उसी दिन देखी जाती है, जब जिला या शहर की बैठक आयोजित होती है और कोई पदाधिकारी केंद्र या राज्य से इंदौर पहुंच रहा है। इस बीच गांधी भवन पर बैठे जिम्मेदार इंदौर से पार्टी के घोषित उम्मीदवार अक्षयकांति बम के मुख्य चुनाव कार्यालय से संपर्क का काम भी करते हैं। चुनावी काम में जुटे कार्यकर्ता व पदाधिकारियों को दशहरा मैदान पर बने चुनाव कार्यालय में पहुंचने के निर्देश मिले हैं।

दशहरा मैदान पर चुनाव कार्यालय

दशहरा मैदान के मुख्य चुनाव कार्यालय में सुबह से लेकर आधी रात तक रौनक बनी नजर आती है। शहर के साथ जिले की अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों कार्यकर्ता व पदाधिकारी यहां पहुंच रहे हैं। उम्मीदवार अक्षय कांति बम भी यहां उपलब्ध रहते हैं। इस बीच कार्यकर्ताओं के चाय-नाश्ते की व्यवस्था भी इसी कार्यालय पर की गई है। चुनाव की रणनीति बनाने से लेकर संपर्क अभियान का शेड्यूल तय करना। कार्यकर्ताओं की विधानसभा क्षेत्रवार बैठकें तय करना व अन्य चुनावी अभियान को अंतिम रूप दशहरा मैदान वाले कार्यालय पर दिए जा रहे हैं। इस बीच कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने-अपने स्तर पर शहर में अलग-अलग अभियान व चुनावी प्रचार कर रहे हैं। इसकी जानकारी गांधी भवन व इस चुनाव कार्यालय पर दी जा रही है।

इंदौर में प्रशिक्षु आईपीएस ने होटल संचालक और कर्मचारियों को चक्की के पट्टे से पिटवाया

इंदौर में पट्टाकांड : एकजुट हुए व्यापारी और समाजजन, मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री तक पहुंची शिकायत

इंदौर। प्रशिक्षु आईपीएस कृष्ण लालचंदानी ने होटल संचालक और उनके कर्मचारियों की चक्की के पट्टे से पिटाई करवा दी। आईपीएस ने सबूत मिटाने का प्रयास किया और पुलिस भेजकर जबर्दस्ती सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर निकलवा लिया। विभिन्न व्यापारिक संगठनों ने घटना की निंदा की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से भी शिकायत की गई है। घटना होटल उत्साह के संचालक राजू उर्फ राजेंद्र धनोतिया के साथ हुई। विजय नगर सीएसपी कृष्ण लालचंदानी मंगलवार रात करीब पौने दो बजे लसूड़िया थाने के पुलिसकर्मी लेकर पहुंचे और जाते ही राजू को पीटना शुरू कर दिया। कर्मचारी विशाल पोरवाल, उधमसिंह, पुष्पेंद्र व अन्य दो की भी सड़क पर पिटाई की और जबर्दस्ती गाड़ी में भर दिया। राजू का आरोप है कि आइपीएस ने दो पुलिसकर्मियों को हुक्म देते हुए कहा कि इसको दस-दस पट्टे लगाओ। दोनों जवान राजू को पट्टे से मारने लगे तो फटकारते हुए कहा कि तुम धीरे मार रहे हो। इस बार जोर से मारो और दो पट्टे बढ़ा दो। जवानों ने राजू को 12-12 पट्टे लगाए। उधर, गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही भाजपा नेता सक्रिय हुए और महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी को सूचना दी। जैसे ही राजू के परिचित थाने आने लगे, आईपीएस ने देर रात 151 के तहत कार्रवाई करवाकर तड़के घर भेज दिया। पांच कर्मचारियों के खिलाफ भी 151 का केस दर्ज कर सुबह एसीपी कोर्ट से जमानत दे दी।

पुलिस का झूठ : लूट का बोलकर डीवीआर ले गए टीआई-एसआई- आईपीएस सुबह छह बजे तक थाने के एचसीएम से जानकारी लेते रहे। शिकायत की भनक लगते ही विजयनगर थाने के टीआई सीबी सिंह और लसूड़िया थाने के एसआई कैलाश मर्सकोले को डीवीआर लेने भेजा। राजू के भाई अमित से कहा कि क्षेत्र में लूट की घटना हुई है। लुटेरों के सीसीटीवी फुटेज देखने के लिए डीवीआर की आवश्यकता है।पुलिसकर्मियों ने हिरासत में बैठे राजू की अमित से बात करवाई और कहा कि डीवीआर नहीं दिया तो लूट में फंसा देंगे। एसआइ जबर्दस्ती डीवीआर लेकर चला गया। मंगलवार सुबह पांचों कर्मचारियों को एसीपी कोर्ट पेश करवा कर जमानत दे दी।

कॉपर केबल तकनीक वाले 11 हजार लैंडलाइन कनेक्शन इंदौर में होंगे बंद

बीएसएनएल को भारी पड़ रहा रखरखाव

इंदौर, एजेंसी। फायबर ऑप्टिकल वाले प्लान उपभोक्ता के लिए महंगे साबित हो रहे है और कनेक्शन कराने के लिए भी उन्हें दो से ढाई हजार रुपये की राशि खर्च होती है, हालांकि बीएसएनएल कॉपर कनेक्शन से ऑप्टिकल फायबर में शिफ्ट होने वाले कनेक्शनधारियों को मार्डम मुफ्त दे रहा है। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) इंदौर में 11 हजार कॉपर केबल तकनीक वाले लैंडलाइन की सुविधा बंद करने जा रहा है। उन कनेक्शनों को ऑप्टिकल फायबर में शिफ्ट किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को कॉपर केबल लैंडलाइन के प्लान सस्ते पड़ते थे, लेकिन बीएसएनएल को उनका रखरखाव भारी पड़ रहा है। 11 हजार कनेक्शनों के संचालन के लिए शहर में 30 से ज्यादा एक्सचेंज है। जिनके रखरखाव पर कंपनी को लाखों रुपये का खर्च हो रहा है, जबकि 11 हजार कनेक्शनों से प्राप्त राजस्व से एक्सजेंच के बिजली बिलों का भुगतान हो रहा था। घाटे का सौदा होने के कारण कंपनी ने कॉपर लाइन वाले लैंडलाइन कनेक्शन बंद करने का फैसला लिया है। फायबर ऑप्टिकल वाले प्लान उपभोक्ता के लिए महंगे साबित हो रहे है और कनेक्शन कराने के लिए भी उन्हें दो से ढाई हजार रुपये की राशि खर्च होती है, हालांकि बीएसएनएल कॉपर कनेक्शन से ऑप्टिकल फायबर में शिफ्ट होने वाले कनेक्शनधारियों को मार्डम मुफ्त दे रहा है। अफसरों का कहना है अभी शहर में आठ हजार से ज्यादा कनेक्शन शिफ्ट किए गए है। जब पूरे कनेक्शन शिफ्ट हो जाएंगे तो कॉपर केबल तकनीक वाले एक्सचेंज बंद कर दिए जाएंगे। आपको बता दे कि जब कॉपर केबल वाले लैंडलाइन व ब्राडबैंड कनेक्शन बीएसएनएल ने दिए थे तो प्लान काफी किफायती थे। ज्यादातर उपभोक्ता बीएसएनएल की ऑप्टिकल फायबर कनेक्शन में रुचि नहीं ले रहे है, वे कनेक्शन कटवा भी रहे है। उपभोक्ता कंपनी के दूसरे विकल्प को चुने, इसके लिए कुछ नए प्लान भी कंपनी ने तैयार किए है। उनके इंस्ट्रालेशन जांच का भी कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है।

सुबह नौ से रात 12 बजे तक गुलजार है भाजपा कार्यालय

चाय की जगह छाछ और लस्सी ने ले ली

भाजपा कार्यालय पर सामान्यत-कार्यकर्ताओं के लिए चाय का इंतजाम रहता है, लेकिन गर्मी को देखते हुए चाय की जगह छाछ और लस्सी ने ले ली है। संभागीय बैठक होने पर भोजन का इंतजाम भी रहता है। देर रात तक चलने वाली बैठकों में अगले दिन की रणनीति को लेकर चर्चा होती है।

इंदौर, एजेंसी। जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय इन दिनों कार्यकर्ताओं से गुलजार है। सुबह नौ बजे से ही यहां कार्यकर्ताओं और नेताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाता है। इसके बाद शुरू होता है बैठकों का दौर। प्रचार की रणनीति पर चर्चा के साथ दिन के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली जाती है। इसके बाद कार्यकर्ता उन्हें सौंपे गए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निकल पड़ते हैं। दोपहर के समय जरूर कार्यालय में थोड़ा सन्नाटा होता है लेकिन शाम होते-होते एक बार फिर कार्यकर्ता आने लगते हैं। शाम को फिर बैठकों का दौर शुरू हो जाता है। इन बैठकों में अगले दिन की रणनीति तैयार कर ली जाती है।

तल मंजिल पर बना है मुख्य चुनाव कार्यालय- तीन मंजिला भाजपा कार्यालय के तल मंजिल पर पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए मुख्य चुनाव कार्यालय बना रखा है। कार्यालय के पास ही हाल में चुनाव सामग्री भी रखी हुई है। भाजपा के सह मीडिया प्रभारी नितिन द्विवेदी ने बताया कि करीब डेढ़ माह पहले दिल्ली से मिली चुनाव सामग्री में से एक बड़ा हिस्सा बूथ और वार्डो तक पहुंचा दिया गया है। अब जिन-जिन क्षेत्रों में मांग आ रही है, वहां इस सामग्री को पहुंचा दिया जाता है। बुधवार को भी तीन वार्डो से चुनाव सामग्री की मांग आई है।

संपादकीय

यूपीएससी : मप्र का बढ़ता ग्राफ

देश की अत्यंत प्रतिष्ठित और कठिन प्रतियोगी परीक्षा यूपीएससी में मप्र से 31 प्रतियोगी का चयन सफलता के बढ़ते ग्राफ की निशानी है। इनमें से भी 7 का चयन आईएएस के लिए हुआ है। इस परीक्षा में देश भर से कुल 1016 प्रतियोगी उत्तीर्ण हुए हैं। मप्र से भोपाल के अयान जैन ऑल इंडिया में 16 वें स्थान पर रहे हैं। मप्र से चयनित अभ्यर्थियों में से अधिकांश मप्र मूल के हैं। सफल अभ्यर्थियों में सबसे ज्यादा भोपाल से 12 अभ्यर्थी हैं। भोपाल के ही तेजस अग्निहोत्री को 27 वीं रैंक मिली है। इसके अलावा छाया सिंह की 63वीं और ग्वालियर की माय को 84वीं रैंक प्राप्त हुई है। परीक्षा परिणाम आने के बाद मध्य प्रदेश से सिविल सेवा परीक्षा में चयनित हुए परीक्षार्थियों के घर पर उत्सव सा माहौल बन गया। लोग उनको बधाई देने पहुंचने लगे। सतना जिले में पदस्थ सब इंस्पेक्टर विजय सिंह कुशवाह की बेटी काजल सिंह ने प्रथम प्रयास में यूपीएससी परीक्षा पास कर 485वीं रैंक हासिल की है। खास बात यह लोक सेवकों के चयन की इस महत्वपूर्ण परीक्षा में समाज के निम्न मध्यम वर्ग, कमजोर और गरीब तबके के प्रतियोगी भी अपनी मेहनत से सफलता अर्जित कर रहे हैं। पहली बार भिलाला समाज की प्रतियोगी चयनित हुई है। इसका सीधा अर्थ यही है कि यूपीएससी से सिलेक्टेड प्रतिभागियों में सर्वसमावेशिता बढ़ी है। इस पर सम्पन्न वर्ग तथा बड़े शहरों का एकाधिकार नहीं रह गया है। यह सामाजिक समसरता की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। बुधवार को यूपीएससी के नतीजे घोषित होने के बाद प्रतिभागियों की मेहनत और समर्पण की प्रेरक कहानियां सामने आ रही हैं। यूपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों में उल्लेखनीय संख्या उनकी है, जो आईएएस, आईपीएस अधिकारियों की संतानें हैं। इसे हम सीधे तौर पर परिवारवाद तो नहीं कह सकते, क्योंकि यूपीएससी में सिफारिश नहीं चलती। कड़ी मेहनत से ही अभ्यर्थी को उत्तीर्ण होना होता है। अलबत्ता आला अफसर की संतान होने के नाते उन बच्चों को समय पर सही मार्गदर्शन और परिवार का सपोर्ट जरूर मिल जाता है, जो शायद दूसरे बच्चों को आसानी से नहीं मिल पाता। मसलन भोपाल की छाया सिंह ने 65 वीं रैंक पाई है। छाया सिंह आईएएस अधिकारी छोटे सिंह की बेटी है। एक और उल्लेखनीय और दिलचस्पी कामयाबी दो सगे भाइयों का चयन है। भोपाल के दो सगे भाई सचिन गोयल और समीर गोयल का भी यूपीएससी में चयन हुआ है। सचिन गोयल की 209वीं और समीर गोयल की 222वीं रैंक आई है। इंदौर की आराधना चौहान की 251 वीं रैंक आई है। उनके पिता वरदीप सिंह चौहान पूर्व अधिकारी हैं, तो मां रेखा गृहिणी। इसके अलावा यूपीएससी में महिलाएं लगातार सफलता के झंडे गाड़ रही हैं। यूपीएससी महिला वर्ग में तेलंगाना की डोनुरू अनन्या रेड्डी महिलाओं में शीर्ष स्थान पर रहीं। अनन्या ने पहले ही प्रयास में यह परीक्षा पास की। यूपीएससी की टॉप टेन लिस्ट में 6 महिलाएं भी शामिल हैं। महिला वर्ग में तेलंगाना की डोनुरू अनन्या रेड्डी ने टॉप किया। उन्होंने पहले ही प्रयास में ये परीक्षा पास की। उधर यूपी के अनिल प्रकाश मिश्रा के परिवार के चार सदस्यों ने यूपीएससी पास कर नया इतिहास रच दिया है। अनिल मिश्रा ग्रामीण बैंक में मैनेजर हैं। कुछ और सफल प्रत्याशियों के मां बाप छोटी मोटी नौकरी करते हैं या फिर ऑटो रिक्शा चलाते हैं। ऐसे बच्चों सीमित संसाधनों और कमजोर वर्ग के बच्चों की सफलता के पीछे उनकी अथक मेहनत, दृढ़ संकल्प और समर्पण है। निश्चय ही सफल प्रत्याशियों ने कड़े परिश्रम के बाद ही यह कामयाबी पाई है, लेकिन वो सेवा के दौरान अपने मूल्यों पर कितना कायम रहते हैं, यह देखने की बात है।

फैलेगी जब ये रौशनी प्रभाषित होंगे विश्वविद्यालय

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं।

हमारे विश्वविद्यालय देश की विकास यात्रा के धुरी हैं। इनकी स्थापना जिन उद्देश्यों से की गयी है, उसे पूर्ण करना इन विश्वविद्यालयों का दायित्व है। नालंदा, तक्षशिला व विक्रमशिला विश्वविद्यालय आज तक आदर के साथ इसलिए स्मरण किए जाते हैं, क्योंकि वे ऐसे विश्वविद्यालय थे, जो अपने उत्तरदायित्व को तत्कालीन परिस्थितियों में बखूबी निभाए और आईने की तरह अपने अस्तित्व को बनाए रखे। निवर्तमान आचार्यों ने ज्ञान व अनुसंधान को समाज निर्माण के लिए केन्द्रित किया और ऐसे शिष्यत्व का आविर्भाव किया जो विशेष रूप से मानवता व प्रकृति के समन्वय में विश्वास करते थे। वे ऐसे मानव संसाधन के कभी सर्जक नहीं थे, जो आज के मशीनीकृत सोच में विश्वास करते हैं। बल्कि, वे ऐसे व्यक्ति-मनुष्य के निर्माता थे जो समाज के प्रत्येक की चिंता करने में रूचि लेने वाले होते थे।

भारत में उस विलुप्त होती परम्परा को पुनर्जीवित कर रहे हैं पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य राघवेंद्र प्रसाद तिवारी। पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा में स्थित है, जो कि गुरुओं की पवित्र भूमि है। यह वही स्थान है जहाँ वेदों की रचना हुई थी। शहर से दूर भले यह विश्वविद्यालय विद्यमान है लेकिन यह एक श्रेष्ठ विद्या स्थल बन चुका है जहाँ देश के प्रत्येक कोने से छात्र, छात्राएं, शोध अध्येता एवं प्राध्यापक संयमित होकर विद्या का आदान-प्रदान कर रहे हैं। यहाँ विदेशों से भी शिक्षार्थी आकर विद्याध्ययन कर रहे हैं। दुनिया में भारत के विश्वविद्यालय अकादमिक अवदान के साथ जन-सरोकार के लिए भी जाने जाते थे। उनकी प्रशंसा इसलिए भी हुआ करती थी क्योंकि ये भारतीय विश्वविद्यालय मनुष्यता की उस कसौटी पर खरे उतरने वाले बन चुके थे, जो प्राणियों की चिंता करते हों, जो पेड़-पौधे व प्रकृति के करीब हों।

अब यदि भारत में विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन होगा तो पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय व आचार्य राघवेंद्र प्रसाद तिवारी के कार्यों को उदाहरण के तौर पर रखा जाएगा क्योंकि यह विश्वविद्यालय केवल अकादमिक अवदान नहीं कर रहा है, बल्कि सच्चे मायने में इसने अपने जन-सरोकार को प्रतिबिंबित किया है। पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना 2009 में हुई थी। विश्वविद्यालय को जनसरोकार से पहले भी जोड़ा जा सकता था लेकिन किसी ने इनिशिएटिव लिया ही नहीं। आचार्य राघवेंद्र प्रसाद तिवारी, जो कि इसके तीसरे कुलपति के रूप में इस विश्वविद्यालय में आये, वह सहज हैं, विनम्र हैं और समाज की ज़रूरतों को समझते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में सबकी गरिमा को सम्मान दिया। इस विश्वविद्यालय के माध्यम से आस-पास के लोगों में विश्वविद्यालय के प्रति जो आशा व विश्वास स्थापित किया, वह कोई कदाचित कर सकता है। भारत में अब हज़ार विश्वविद्यालय कार्य कर रहे हैं। वे इम्पैक्ट फैक्टर बटोरने में व्यस्त रहते हैं। विश्वविद्यालय कभी समाज का हिस्सा नहीं बन पाते। विश्वविद्यालय अपने गुमान में जीते हैं।

विडंबना यह है कि भारत का आम आदमी अपने बच्चों को विश्वविद्यालय भेज तो देता है, पर वह खुद नहीं जानता कि हमारे बच्चे वास्तव में क्या कर रहे हैं, और उनके जीवन से क्या हासिल होगा। विश्वविद्यालय आम आदमी की समझ से बाहर है तो इससे जो उत्पाद निकलते हैं, वे भी कदाचित आम आदमी के उस तरीके से उनके आशाओं के अनुरूप नहीं हो पाते जैसी उनसे उम्मीदें की जाती हैं। इसका परिणाम यही है कि हमारे विश्वविद्यालय आज भी देश की तरक्की के लिए जो अवदान दे सकते थे, वे नहीं दे सके हैं। आचार्य राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ऐसे मिथ को तोड़ रहे हैं और वह विश्वविद्यालय को भी आम आदमी की समझ का हिस्सा बना रहे हैं। विश्वविद्यालय को लोक से जोड़ना अपने आप में चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय को जन से जोड़ने की इस कोशिश में निःसंदेह उनकी लोक चेतना, सहज व्यक्तित्व और संवेदनशील नेतृत्व क्षमता है।

जब मैं इस विश्वविद्यालय में आया तो मुझे डॉ. आंबेडकर की वैचारिकी और उनके दर्शन से जुड़े कार्यों का दायित्व मिला। डॉ. आंबेडकर चेयर में बतौर चेयर प्रोफ़ेसर कार्य करने में स्वाभाविक है कि हमारा संपर्क जन से होगा। आसपास के कॉलेज व गांवों में क्षेत्र आधारित कार्य हमारे चेयर के उद्देश्यों में शामिल है लेकिन इसे जन-सरोकार के साथ अंतिम जन को जोड़ने की मुहिम आचार्य राघवेंद्र प्रसाद तिवारी के दिमाग की उपज है। उन्होंने अपने ही विश्वविद्यालय के उन लोगों को सम्मानित करने व उनको स्वबोध कराने के लिए निश्चय किया। वह चाहते हैं कि दीपक तले अँधेरा न हो। विश्वविद्यालय के वे सफाई-कर्मचारी भी सम्मान के हक़दार हों, जो हमारा ख्याल रखते हैं। प्रो। तिवारी ने डॉ. आंबेडकर चेयर के माध्यम से सफाई कर्मचारियों के सम्मान के लिए योजना पर जब मुझसे चर्चा की तो उनके भीतर बैठी करुणा व दया की अद्भुत अवस्था का एहसास हुआ। वह सबसे आम जीवन जीने वाले लोगों में ईश्वरत्व देखते हैं, कुछ ऐसा ही लगा।

मुझे गुरुओं की वह वाणी स्मरण हो आई- अव्वल अल्लाह नूर उपाया कुदरत के सब बंदे, एक नूर ते सब जग उपज्या कौन भले कौन मंदे। यह वह चिंतन की अवस्था है जिसमें व्यक्ति सबमें उसी को देखने लगता है। सभी सफाई कर्मचारियों का सम्मान जिस पल हुआ, वह दृश्य अद्भुत था। उनके चेहरे खिले हुए मिले। जिनकी कोई सुध नहीं लेता, उनके चेहरे पर खुशी के भाव दिखे। उनके भीतर गर्व की अनुभूति दिखी, वे शायद वर्षों से अपनी बारी के इंतज़ार में थे। एक महिला ने जब मुझसे कहा कि विगत आठ वर्षों से मैं यहाँ कार्य कर रही हूँ, कभी किसी ने ऐसा नहीं किया। उस महिला के भीतर का उत्साह और संवेदना निश्चय ही इस बात की ओर हेमन खींचती है कि हमें किसी की उपेक्षा नहीं करते रहना चाहिए, सबकी गरिमा को सम्मानित करना ही चाहिए। यह बड़ी बात है कि कुलपति जितना व्यक्ति या मनुष्य के भीतर उस महान ईश्वर को देखने की क्षमता रखते हैं उतना ही प्राणियों व वनस्पतियों की चिंता करते हैं। यह व्यक्कित की असीम अवस्था है। चिड़ियों के लिए पानी कि व्यवस्था हुई कि नहीं। कोई पेड़ मुरझा क्यों रहा है, इसकी भी चिंता वह करते हैं। झुके पेड़ को सीधा करने के लिए भी खुद लग जाना, यह अब विभिन्न विशिष्ट पदों पर बैठे लोगों को कहाँ सोचने का वक्त है। सब तो अपने में मस्त रहकर सत्ता सुख के लिए व्याकुल हैं। ऐसे समय में एक नई सोच के साथ आचार्य राघवेंद्र प्रसाद तिवारी की आगे बढ़ने की सोच पूरे भारत के कुलपतियों व विश्वविद्यालयों के लिए सीख है।

हमारे देश का दुर्भाग्य रहा है कि विश्वविद्यालयों के बहुत से कैम्पस आज दुखो व सोच की दरिद्रता के शिकार हो चुके हैं। कुछ विश्वविद्यालयों में केवल आये दिन आन्दोलन होता है और उसमें सब उलझे दिखाई देते हैं। कोई सकारात्मकता मानों कैम्पस में बची ही न हो, ऐसे बहुतेरे विश्वविद्यालय अस्तित्व में हैं। ऐसे विश्वविद्यालय कैसे उत्पाद देंगे और भारत कैसे विश्व गुरु बनेगा, चिंता की बात यह है। ऐसे विद्रूप मनोभावों वाले विश्वविद्यालयों को सकारात्मकता में बदलने की मुहिम भले ही कठिन लगती हो लेकिन जब आचार्य राघवेंद्र प्रसाद तिवारी जैसी लीडरशिप अपने विश्वविद्यालय से एक नया रोडमैप तैयार करके अन्य विश्वविद्यालयों को यह बताती हैं कि, काम ऐसे भी किया जा सकता है तो उसका असर अवश्य होता है।

देश के विभिन्न अंचलों में बने विश्वविद्यालयों से भी बड़ी उम्मीदें हैं। उनसे केवल विद्यार्थी व अध्येता उम्मीद नहीं करते। उनसे सरकार ही केवल उम्मीद नहीं करती। उनसे समाज भी उम्मीद करता है। लेकिन इसे सोचता कौन है? नए इनिशिएटिव के साथ विश्वविद्यालय को नई दिशा कौन देता है, यह तो उस विश्वविद्यालय के नेतृत्व की इच्छाशक्ति का तकाजा है, उसका अपना सामर्थ्य है। आज भले ही आचार्य राघवेंद्र प्रसाद तिवारी अपनी नई सोच के साथ पंजाब के बठिंडा जैसे स्थान में अपना सर्वस्व अर्पण कर अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन कर रहे हैं लेकिन एक दिन उनके यह जन-सरोकारी कार्य व प्राणियों व वनस्पतियों से भी लगाव व अपनत्व की कहानी सभी विश्वविद्यालयों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनने वाली है।

असली युद्ध में बदला छद्म युद्ध

विश्व राजनीति

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ईरान और इजरायल के बीच युद्ध के हालात निर्मित हो गए हैं। सीरिया में वाणिज्य दूतावास पर हमले के बाद ईरान ने पलटवार करते हुए व्यापक पैमाने पर इजरायल पर द्रोण और मिसाइलों से हमले किए। ये दोनों प्रमुख शत्रु देश माने जाते हैं। इनके बीच सालों से छद्म युद्ध चल रहा है, परंतु यह पहली बार है, जब इनके बीच सीधी लड़ाई सामने आई है। हालांकि इजरायल ने ईरान से छोड़े गए ज्यादातर घातक हथियारों को आसमान में ही निष्क्रिय कर दिया। इस कारण उसे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। एक सैन्य अड्डे पर हानि के साथ, एक युवती गंभीर रूप से घायल हुई है। लेकिन इन हमलों ने रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास के बीच चल रहे भीषण युद्ध से त्रस्त दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। क्योंकि यह युद्ध तीसरे विश्व युद्ध की ओर भी बढ़ सकता है ? युद्ध में अमेरिका, फ्रांस, जॉर्डन और ब्रिटेन ने जहां इजरायल का खुला समर्थन किया, वहीं ईरान के साथ सऊदी अरब, यमन, यूएई, ईराक और कुछ मध्य-एशिया के देश आगे आए हैं। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइल की तरफ से कोई कार्यवाही होती है तो उसे ईंट का जवाब पत्थर से मिलेगा। वह इजरायल के किसी भी हमले का उत्तर कोई देरी किए बिना तत्काल देगा और जरूरत पड़ने पर पहले कभी इस्तेमाल नहीं किए गए हथियार भी प्रयोग में ला सकता है। इससे संकेत मिलता है कि परमाणु हमले की स्थिति भी बन सकती है। इस लड़ाई के दूसरे पहलू महंगाई बढ़ने के साथ दुनिया में कच्चे तेल की कमी से जुड़े हैं।

इस युद्ध के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र की अंतर्राष्ट्रीय परमाणु नियामक संस्था ने आशंका जताई है कि इजरायल आगामी दिनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बना सकता है। इस आशंका के चलते ईरान ने अपने परमाणु संयंत्रों को सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया है। ईरान ने इजरायल पर हमला इसलिए किया, क्योंकि 1 अप्रैल 2024 को इजरायल ने सीरिया पर हमला किया था। जिसमें ईरान समर्थित इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद रजा जाहेदी समेत 8 अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इस हमले के जवाब में अप्रत्याशित रुख अपनाते हुए लगभग 320 द्रोण और क्रूज मिसाइलों से हमला किया। ईरान इजराइल से करीब 1800 किमी की दूरी पर स्थित होने के बावजूद हमला करने में सफल रहा। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इजरायल से लंबी दुश्मनी के चलते पहली बार यह सैन्य हमला इसलिए किया, क्योंकि ईरान ने 1 अप्रैल को सीरिया पर हमला बोला था। इजरायल को अमेरिका ने जो मदद की है, उस संदर्भ में ईरान ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि उसने यदि अब इजरायल की मदद की तो नतीजा भुगतने को तैयार रहे। ईरान ने यह पलटवार इसलिए भी किया है, जिससे मध्य-पूर्व की राजनीति में उसके वर्चस्व की महिमा बनी रहे। यदि वह जवाबी हमला नहीं बोलता तो इजरायल और अमेरिका के खिलाफ उसकी जो धारणा हैं, वह ध्वस्त हो जाएगी। दरअसल ईरान इजरायल के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि इजरायल ने मुस्लिमों की जमीन पर कब्जा कर रखा है। हालांकि हमले के बाद ईरान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखकर मामले को यहीं समाप्त करने का भरोसा जताया है। लेकिन उसने यह भी कहा है कि यदि इजरायल ने जवाबी कार्यवाही की तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। हालांकि इस परिप्रेक्ष्य में यह विरोधाभास देखने में आया है कि ईरान ने अमेरिका को इजरायल पर सीमित और नियंत्रित हमला करने की जानकारी पहले ही दे दी थी। यदि ईरान के विदेष मंत्री ने इस आषय का बयान दिया है। यदि इस बयान में सच्चाई है तो क्या यह मान लिया जाए कि अमेरिका दुतरफा कुटिल चालें चल रहा है। चूंकि अमेरिका ब्रिटेन और फ्रांस को ईरान द्वारा इजरायल पर किए जाने वाले हमले की जानकारी थी, इसलिए इन मित्र देषों ने द्रोण और मिसाइलों को आसमान में ही नष्ट करने में इजरायल का सहयोग दिया? इस मानसिकता को क्या माना जाए यह सोचने की बात है। इसीलिए युद्ध विश्लेषक यह अनुमान लगा रहे हैं कि इजरायल और हमास युद्ध तो अभी खत्म नहीं होगा, लेकिन ईरान-इजरायल का संघर्ष और बढ़ेगा। यह आशंका कम हैं।

विश्व में शांति और सुरक्षा का दायित्व अंतरराष्ट्रीय संस्था संयुक्त राष्ट्र पर है, लेकिन पिछले कुछ सालों में देखने में आया है कि इस संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण नहीं रह गई है। ज्यादातर वैश्विक संकटों के निदान में उसकी भूमिका पक्षपातपूर्ण होने के साथ गौण रही है। इसीलिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई वैश्विक मंचों पर इस संगठन को अप्रासंगिक घोषित कर चुके हैं। दरअसल यह संगठन विकसित देशों की मुट्ठी में कैद है। इसी कारण संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश चीन के मनमाने रवैये के चलते भारत जैसा देष इसका स्थाई सदस्य नहीं बन पा रहा है। दरअसल विकसित देशों की महत्वाकांक्षा और अहंकार ऐसे कारण हैं, जो वैश्विक समस्याओं को निदान की ओर ले जाने के बजाय उन्हें उकसाने का काम भी करते हैं। इसलिए अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश जहां इजरायल और यूक्रेन को समर्थन देने के साथ युद्ध सामग्री उपलब्ध कराने में मदद करते हैं, वहीं ईरान इजरायल पर हमला अमेरिका को संज्ञान में लाने के बाद करता है। विकसित देश क्या ऐसी कुटिलताएं लड़ाई को निरंतर चलाए रखने के लिए बरत रहे हैं ?

कोविड संकट के बाद से ही दुनिया आर्थिक संकट से गुजर रही है। ऐसे में यदि युद्ध का दायरा बढ़ता है तो भारत समेत दुनिया के अनेक देशों को न केवल आर्थिक बल्कि अन्य संकटों से भी दो-चार होना पड़ सकता है। इसलिए मध्य-पूर्व के इस ताजा घटनाक्रम में भारत की चिंता बढ़ा दी है। क्योंकि इजरायल में 80,000 और ईरान में करीब 4000 भारतीय नागरिक कार्यरत है। ईरान ने इजरायल जा रहे जिस माल वाहक जहाज को अपने नियंत्रण में लिया हुआ है, उसमें भी चालक दल के 17 भारतीय हैं। इन्हें मुक्त कराने के प्रयास में भारत सरकार लगी हुई हैं। इजरायल के कई शहरों में भारतीय सूचना तकनीक, हीरा व्यापारी और घरों में काम करने वाले नौकर हैं। इनमें ज्यादातर लोग आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और केरल के हैं। ईरान में भी 4000 के करीब लोग काम करते हैं। यदि युद्ध के हालात बनते हैं तो यूक्रेन की तरह भारतीयों को निकालने की जिम्मेदारी भारत सरकार को उठानी होगी।

ईरान और इजरायल के बीच सीधा युद्ध होता है तो पूरी दुनिया में तेल की आपूर्ति भी बाधित होगी। ईरान ने स्वेज नहर से जहाजों की आवाजाही बंद करने की धमकी दी है। यदि ऐसा हुआ तो दुनियाभर में महंगाई तो बढ़ेगी ही, शेयर बाजार में भी गिरावट आएगी। इन कारणों के चलते कच्चा तेल सौ डॉलर प्रति बैरल से छलांग लगाकर 120 से लेकर 130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है। जाहिर है, मीडिल ईस्ट से आने वाली महंगाई का उन देशों पर ज्यादा असर होगा, जो कच्चे तेल के लिए आयात पर निर्भर हैं। इससे ईंधन की महंगाई बढ़ेगी। इसकी चपेट में भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान आएंगे। स्वेज नहर बंद कर दी जाती है तो इस मार्ग से फारस की खाड़ी के देशों से जो खनिज और तेल भेजे जाते हैं, उनकी सप्लाई प्रभावित होगी। इसी नहर से एशियाई देश चाय, जूट, कपास, मसाले और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुएं पश्चिमी यूरोप के साथ उत्तरी अमेरिका में निर्यात करते हैं, गोया यह निर्यात बाधित होगा। भारत का इतिहास रहा है कि उसने कभी अपनी ताकत दिखाने के लिए किसी दूसरे देश पर हमला नहीं किया है। रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्धों के परिप्रेक्ष्य में देखने में आया है कि भारत की भूमिका तटस्थ रहते हुए युद्ध समाप्ति की अपील करते रहने में दिखाई दी है। क्योंकि युद्ध मानव सभ्यता को समाप्त करने का वाहक रहता है, ऐसे में यदि परमाणु युद्ध होता है तो मानवता और बड़े खतरे में पड़ सकती है?

एक फैले हुए पेट की चर्बी कथा

मैं आकाश अंबानी हूँ। न अच्छी-खासी सैलरी वाला इंसान। मैं निरा मोटू हूँ। सौ कैरट शुद्ध सोने की तरह शुद्ध सौ फीसदी चर्बी वाला मोटू। मोटुओं के लिए जीने की जिम्मेदारी बड़ी चैलेंजिंग होती है। उससे भी बड़ा भैया बनने का ख्याल। जब लड़कियाँ मुझ जैसे मोटुओं को देखती हैं, तो उन्हें लगता है कि इन्हें सच्चे प्यार के बजाय खाना पसंद है। शायद इसीलिए वे मोटुओं को देखते ही 'भैया' कह देती हैं। पर क्या वे जानती हैं कि मोटुओं का भी दिल होता है, और उनमें भी

कटाक्ष

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक युवा व्यंग्यकार हैं।

प्यार के ख्वाब होते हैं? यह जानकर मुझे भी विचार आता है कि कहीं भैया बनने का ख्याल परमानेंट न हो जाए, क्या मुझे प्यार करने का अधिकार नहीं है? यह सब इसलिए बता रहा हूँ कि मैं बहुत मोटू हूँ। मोटुओं की परेशानियाँ मोटू ही जानते हैं। जिस तरह महात्मा गांधी देश के राष्ट्रपिता हैं, ठीक उसी तरह हर मोटू लड़का देश भर की लड़कियों के लिए भैया होते हैं। पता नहीं क्यों लड़की मुझे देखते ही भैया कह देती है। क्या उसे नहीं पता कि मेरा भी एक मन होता है। मुझे भी प्यार करने की इच्छा होती है। जब से खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है, मुहावरा सुना है, तब से लड़कियाँ तो लड़कियाँ बड़ी-बूढ़ी महिलाएँ भी मुझे भैया कहकर दूर बैठने की सलाह देती हैं। मानो ऐसा लगता है मुझ जैसे मोटुओं को देखते ही उनके भीतर की ऐसी ग्रंथियाँ जो गबरू जवान को पहचानकर नैन मटक्का करने लगती हैं, तुरंत संस्कारों में बदलकर दुनियाभर का सम्मान परोसने पर आमादा हो जाती हैं। मेरा हाल तो उस समय और बुरा हो जाता जब माँ की उम्र सी लगने वाली महिला जिसके बाल चूने की सफेदी से चुनौती लेने के लिए मचल उठते हैं, वे भी मुझे भैया कहकर बुलाने में कोई झिझक महसूस नहीं करती हैं। मुझे भी लगा कि उन्हें माँ कहकर पुकारूँ, लेकिन मैं उनकी तरह खुले विचारों वाला नहीं था।

मुझ जैसों का एक फेवरेट ड्रेस होता है। एक इसलिए क्योंकि मोटुओं के लिए कंपनियाँ ड्रेसेस ही नहीं बनातीं। न जाने इनको किसने सिखा दिया कि मोटुओं के लिए सिलेंडर टाइप का कुछ बना दो उसी में वे खुद को अडजस्ट कर लेंगे। न हमारे लिए कोई कलर की च्वाइस होती है न कोई डिजाइन की। कभी-कभी तो लगता है कि इन कंपनियों को आग लगा दूँ। फिर सोचता हूँ कि ऐसा करने पर जो एकाध ड्रेस मिल रहा है, वह भी भला देने वाला कौन बचेगा। शॉपिंग मॉल जाकर ड्रेस खरीदने की पीड़ा शब्दों में बयान करना मुश्किल है। सेल्समैन चुहल करने की फिराक़ में या फिर कुछ और सोचकर जानलेवा मज़ाक करते हुए पूछता है - बताइए सर आपके लिए किस साइज की जिंस दिखाऊँ? 32 कि 34 या फिर स्लिम फिट, अब मैं उसे कैसे बताऊँ मोटुओं के लिए स्लिम नाम के शब्द से कोई ड्रेस नहीं बनता। फिर वही थक-हारकर 44 साइज़ का एक झिंगोला देते हुए उसे कुछ अंग्रेजी वाले नाम से मुझे चिपका देता है। शॉपिंग मॉलों में ड्रेस खरीदने का यह स्टंट मुझ जैसे मोटुओं के लिए कितना विचित्र होता है, यह जानने के लिए कोई अद्भुत सोच नहीं हो सकती।

लोग सोचते हैं कि मोटू लड़कों को केवल ड्रेस ढूँढ़ने की परेशानी होती है। जब वह कपड़े की दुकान में कदम रखता है, तो यह उनके लिए जंगल के अंदर एक खतरनाक सफर जैसा होता है, जहाँ हर आउटफिट उनके आत्मसम्मान को हजारों टुकड़ों में कुचलने की धमकी देता है। मुझ जैसे मोटू लड़के समाज की लगातार निगरानी में रहते हैं, जहाँ यह मोटी चर्बी वाली उदरकथा आम जनता के लिए चर्चा का विषय बनी रहती हैं। लोग मेरे खाने-पीने की आदतों, व्यायाम शैलियों, और उठने-बैठने के आधार पर निःशुल्क सलाह देने को अपना अधिकार समझते हैं। और ऊपर से उनकी व्यंग्योक्तियों के अंतहीन कथन - 'तुम्हारे पास इतना चब्बी-चब्बी चेहरा है, अगर तुम थोड़ा वजन कम कर लो तो।' जैसे मूल्यांकन सहने पड़ते हैं। सच कहें तो पतलेपन के पवित्र मंदिर में पूजा करने वाली दुनिया में, मोटुओं को अपना अंतरिक्ष खुद बनाना पड़ता है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

प्यासा नहीं मरेगा कोई

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक युवा व्यंग्यकार हैं।

जलदाय विभाग के मंत्री के पास कुछ प्यासे लोग आये और पानी की समस्या का हाल सुनाने लगे। मंत्रीजी से कुछ बनते नहीं बना तो भाषण देने लगे-भाइयों, वाकई पानी जीवन के लिए अनिवार्य है। पानी के लिए हम आजादी के बाद से ही लगे हुए हैं, परन्तु कोई व्यावहारिक कार्य करने में विफल रहे हैं। इन दिनों हम सोच रहे हैं कि जब तक जीवन रहेगा-पानी की आवश्यकता रहेगी, अतः हमें जीवन के रहने, न रहने पर सोचना है। इस समय तो आप लोगों से मेरा यही कहना है कि आप अधीर हो। दधीचि की औलाद हैं, गाँधी के गुलाम हैं। धैर्य भारतीय संस्कारों की नींव है, इसलिए थोड़ा सब्र रखना है। मान लिया हम भूखे हैं अथवा प्यासे हैं, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हम यह कहते फिरें कि हम भूखे-प्यासे हैं, प्यासा रहकर भी हमें तृप्ति की डकार लेनी चाहिए। पानी-पानी चिल्लाने से प्यास तो मिटने से रही।

बीच में ही एक आदमी बोल उठा-'साहब, आप कमाल कर रहे हैं, पानी बिना आदमी मर जायेगा। हमारे यहाँ कुओं में पानी नहीं है, पानी वाला टैंकर आता नहीं, तालाब सूख गये हैं। जहाँ पानी है वह जगह पाँच मील है, उसमें भी गंदा प्रदूषणयुक्त पानी है। उससे हमारे यहाँ त्वचा के दसियों रोग फैल रहे हैं। भला बताइये आप पानी की व्यवस्था नहीं करा सकेंगे तो आपके भाषण से तो हमारी प्यास बुझने से रही। हमारे पशु अकाल से अलग मरते जा रहे हैं।'

मंत्री को बड़ा क्रोध आया कि उसने अपनी बात पूरी नहीं की और बीच में ही बोल पड़ा यह आदमी। मंत्रीजी बोले-'देखो लाला, ज्यादा मत बोलो, कण्ठ वैसे ही सूख रहे हैं, ज्यादा बोलने से प्यास बढ़ती है। गर्मी का मौसम है, तैश में आने से काम नहीं बनेगा। ठण्डे दिमाग से सोचो, गले में तरावट आयेगी।'

'अजी गोली मारिये तरावट को। पटवारी, सरपंच और बी.डी.ओ. मिलकर अकाल राहत में लाखों डकार गये। पानी के कुएँ कागज पर सूख भी गये और रूपया खा गये, जबकि हमारे यहाँ कुआँ एक नहीं खुदा है।' दूसरे ने दलील दी।

मंत्री के प्वाइंट हाथ लग गया, बोला-'अब हुई न बात। अब मेरी जानकारी में आया है कि वे लोग बिना मेरी जानकारी के लाखों डकार गये। अब मैं उनसे बुलाकर बात करूँगा। मैंने कहा न हमने आप लोगों के यहाँ रूपया पानी के लिए सैंक्शन किया है, परन्तु अब कुआँ मैं तो खोदने से रहा।'

तभी एक आदमी क्रोध में चिल्लाया-'अजी आप कहें तो हम उनकी वहीं कब्र खोद डालें। गाँव की पूरी आबादी पानी से त्राहि-त्राहि कर उठी है और ये माल उड़ा रहे हैं।

पानी का टैंकर आता है तो तमाम प्रभावशाली लोग पानी ले लेते हैं, गरीब, असहाय और कमजोर लोग प्यासे रह जाते हैं। पानी के लिए भटकते रहते हैं। बीसियों लोग पानी की समस्या से दुःखी होकर गाँव छोड़ चुके हैं, पशुधन कौड़ियों के भाव बेच गये हैं। दलालों की पाँचों अँगुलियाँ घी में हैं।'

'देखिये भाषण देना मेरा काम है और देने आप लगे हैं। भैया जी, कानून और व्यवस्था को हाथ में लेने से पार नहीं पड़ेगी। मैंने कहा थोड़ा धैर्य रखिये। जिसने भी अकाल का रूपया खाया है, उसे यों ही नहीं जाने देंगे। जाँच करवा देंगे हम सरकारी। जाँच में पाया कि वाकई घपला हुआ है तो छोड़ेंगे नहीं।'

सामायिक

राजीव खंडेलवाल

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व बैतूल सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

न्यायालय के निर्णयों में 'न्याय' के साथ 'संतुलन' का भी 'भाव' दिखता है?

संविधान के तीन स्तंभों में सबसे महत्वपूर्ण न्यायपालिका की ''माननीय न्यायालय'' का काम 'सिर्फ और सिर्फ' 'न्याय' देने का ही होता है। 'न्याय' देते समय न्यायालय को सिर्फ न्याय देने पर ही ध्यान केन्द्रित करना होता है। न्यायालय के आस-पास विद्यमान 'परिसर' से लेकर, बाहर क्या परिस्थितियां, घटनाक्रम चल रहा है, उससे प्रभावित हुए बिना सिर्फ न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत रिकॉर्ड (केस डायरी) पर उपलब्ध तथ्यों की न्यायिक समीक्षा कर माननीय न्यायाधीश 'न्यायिक निर्णय' देते हैं। न्याय की यह आदर्श स्थिति है। न्यायालय का निर्णय किस पक्षकार के पक्ष में है, हार-जीत में है, और निर्णय का समाज या देश के अन्य तंत्रों पर क्या प्रभाव पड़ेगा, उससे उन्मुक्त होकर ही, डरे बिना ही निष्पक्ष व निरपेक्ष होकर माननीय न्यायाधीश निर्णय देते है। यही वास्तविक न्याय है। यथा ''न्याय न क्यारी ऊपजे, पंच न हाटे बिकायः।'

'संतुलन का परसेप्शन'

माननीय उच्चतम न्यायालय के पिछले कुछ न्यायिक निर्णयों में कहीं न कहीं न्यायालय का'प्रयास' (स्वाभाविक अथवा अतिरिक्त) 'न्याय' के साथ दोनों पक्षों के बीच एक संतुलन बनाने का प्रयास होता हुआ दिखता है। तथापि निर्णय 'न्यायिक' ही होते हैं। इस हेतु जरूरत पड़ने पर न्यायालय अनुच्छेद 142 के अंतर्गत प्राप्त असीमित विशेषाधिकार का भी सहारा लेती है। सामान्यतः न्यायालय के सामने दो ही पक्ष होते हैं, जो अपना-अपना पक्ष रखते हैं, जिनके बीच ही निर्णय का तराजू का कांटा घूमता है। तीसरा पक्ष वह होता है, जो न्यायिक निर्णय के परिणाम के आकलन का पक्षपात पूर्ण हुए बिना निष्पक्ष होकर मूल्यांकन करता है, जिससे न्यायालय को न तो कोई लेना-देना होता है और न ही इससे उसके 'स्वास्थ्य' पर कोई प्रभाव पड़ता है। पिछले कुछ समय से कुछ न्यायिक निर्णयों से बनते उक्त परसेप्शन 'संतुलन' बनाने को बल सा मिल रहा है।

संजय सिंह का जमानत आदेश

इसी संदर्भ में अभी ताजा उदाहरण आप पार्टी के सांसद संजय सिंह के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई ''पीएमएलए'' कानून के अंतर्गत शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिग में की गई कार्रवाई के तहत की गई गिरफ्तारी पर उच्चतम न्यायालय द्वारा संजय सिंह को दी गई जमानत के निर्णय है। चूंकि आरोपी को जमानत मिली, इसीलिए उसके साथ न्याय हुआ, आरोपी की यह सोच स्वाभाविक ही है। दूसरी ओर अभियोजन पक्ष जिसने आरोपी के विरूद्ध गिरफ्तारी की कार्रवाई की बावजूद जमानत का विरोध ऑन रिकॉर्ड नहीं किया, तब भी यह कहा जा सकता है, अभियोजन पक्ष की भी जीत हुई है। क्योंकि उसने जमानत का विरोध नहीं किया, जो सामान्य रूप से अन्य प्रकरणों में ई.डी. अभी तक करता चला आ रहा है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उक्त अधिनियम के अंतर्गत मोदी सरकार के कार्यकाल में अभी तक दर्ज 121 मामलों में (जिनके मात्र 6 सत्ता पक्ष के नेताओं के विरूद्ध ही) से अधिकतरों में आरोपी को जमानत ई.डी. के विरोध के कारण नहीं मिली है। भले ही प्रकरणों में चालान प्रस्तुत न हुए हो अथवा गवाही की कार्रवाई चालू न हुई हो। विपरीत इसके पूर्व की यूपीए सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल में मात्र 26 नेताओं के विरूद्ध कार्रवाई की गई, जिनमें से 14 (54 प्रतिशत) विपक्ष के थे। इस प्रकार सिक्के के दूसरे पहलू का एक अर्थ यह भी निकलता है कि कांग्रेस (स्वतंत्रता के बाद की) भाजपा की तुलना में ज्यादा भ्रष्ट पार्टी है। इसलिए केन्द्रीय एजेंसीज को सरकार होने के बावजूद उन्हे सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के विरूद्ध कार्रवाई करनी पड़ी थी।

ई.डी. द्वारा संजय सिंह की जमानत का विरोध नहीं

सबसे महत्वपूर्ण गौर करने वाली बात यह है कि प्रस्तुत प्रकरण में न्यायालय ने संतुलन बनाने का प्रयास

किया है, ऐसा इसलिए लगता है कि न्यायालय के समक्ष अभियुक्त ने पीएमएलए की धारा 45 के अंतर्गत यह कहकर जमानत की मांग की थी कि, प्रथम दृष्टया यह प्रावधान आरोपी पर लागू नहीं होता है, क्योंकि इसके समस्त आवश्यक तत्वों का पूर्णतः अभाव है। सुनवाई के समय न्यायालय इस बात से शायद संतुष्ट भी था। इसलिए माननीय न्यायालय ने ई.डी. से यह कहा कि आरोपी 6 महीने से जेल में बंद है, उसके पास से कोई रूपये की जप्ती अभी तक नहीं हुई है। आपके पास आरोपी को निरोध में आगे रखने के लिए और कोई तथ्य, साक्ष्य हो, तो रिकॉर्ड पर लाईये। कृपया यह ध्यान में रखिये कि यदि हमने खामियां पाई तो धारा 45 के अंतर्गत हम यह रिकॉर्ड करेंगे कि अपराध नहीं किया है, जो आपके लिए नुकसानदेह होकर उसका असर ट्रायल की सुनवाई पर होगा। इस प्रकार एक तरह से उच्चतम न्यायालय ने एक विकल्प देकर ई.डी. को अप्रत्यक्ष रूप से मजबूर किया कि वह जमानत का विरोध न करे। अन्यथा उनके खिलाफ आदेश पारित कर जमानत दे दी जायेगी।

चंडीगढ़ मेयर का चुनाव

इसी तरह का चंडीगढ़ मेयर के चुनाव के वोट का डाका सरे आम हुआ। मामला उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा। उच्च न्यायालय के अंतरिम सहायता देने के इंकार के अंतरिम आदेश के विरूद्ध अपील दायर की गई थी। तब उच्चतम न्यायालय ने यह कहा कि उच्च न्यायालय के सामने प्रस्तुत रिकॉर्डिंग वीडियो से स्पष्ट रूप से धांधली होते हुए दिख रही थी, तब क्यों नहीं अंतरिम आदेश पारित किये गये? परंतु दुर्भाग्यवश उच्चतम न्यायालय ने भी स्वयं तुरंत उच्च न्यायालय के आदेश को स्थगित नहीं किया, बल्कि सरकार को नोटिस देते हुए 15 दिन बाद की सुनवाई निश्चित की गई। तत्पश्चात सिर्फ स्थगन आवेदन पर आदेश पारित करने की बजाए पूरे मामले को गुण-दोष के आधार पर न केवल चुनाव अवैध घोषित कर दिया, बल्कि हारे हुए उम्मीदवार को जीता हुआ भी घोषित कर दिया, जो याचिकाकर्ता की मांग ही नहीं थी। इससे न्याय के साथ-साथ यदि संतुलन बनाये रखने का परसेप्शन बना, ऐसा कहने वाले को गलत नहीं कहा जा सकता है।

श्री राम जन्म भूमि निर्णय

इसी प्रकार रामजन्म भूमि विवाद का निर्णय में भी दोनों पक्षों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करते हुए, उच्चतम न्यायालय ने आदेश पारित किया। जो मुद्दे, विचाराधीन नहीं थे उन्हें भी सेटल किया गया। विवादित भूमि पर मुस्लिम पक्ष के दावे को अस्वीकार करते हुए पूरी तरह से 'रामलला' का हक माना गया। बावजूद इसके सुन्नी वक्फ बोर्ड को अयोध्या में ही किसी उचित जगह मस्जिद निर्माण हेतु भूमि देने तथा मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट बनाने का दिया गया आदेश भी एक प्रकार से 'संतुलन के न्याय' का ही आदेश था।

अनुच्छेद 370 का मामला

उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने वाले राष्ट्रपति के आदेशों को सद्भावना पूर्व होते हुए वैध माना गया। तथापि अनुच्छेद 367 में संशोधन करने वाले आदेशों को असवैधानिक मानने के बावजूद जम्मू-कश्मीर के पुर्नगठन की वैधता को निर्णीत करने के बजाए सालिसिटर जनरल के कथन को स्वीकार कर लिया, जो एक संतुलन बनाने की ओर बढ़ने का आदेश ही कहलायेगा।

महाराष्ट्र की राजनीति का सुभाष देसाई बनाम प्रधान सचिव प्रकरण

उच्चतम न्यायालय ने राज्यपाल के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को तथाकथित शिवसेना में विभाजन के बाद बहुमत साबित करने के निर्णय को अवैध घोषित करने के बावजूद उस अवैध निर्णय से उत्पन्न अवैध सरकार को भंग करने की इच्छा के संकेत देने के बावजूद भंग कर यथा स्थिति बहाल करने का न्यायिक आदेश न देकर, इसे संतुलन बनाने का प्रयास के अतिरिक्त और क्या कहा जा सकता है?

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

आखिर लोकतंत्र में एकतंत्र का सूत्रपात किसने किया

इस आम चुनाव में ऐसा दृश्य दिखाई देता है जैसे मोदी बनाम प्रतिपक्षी दल के बीच सत्ता संघर्ष का दौर चल रहा हो। इसके चलते आम नागरिकों की नजरों में भाजपा तो एक माध्यम मात्र है, जिसे समर्थन देकर मोदी का चयन किया जा सकता है। निश्चित रूप से नीति और सिद्धांतों के आधार पर दलीय व्यवस्था के अंतर्गत लोकतंत्र में लोकतंत्र की सार्थकता के प्रबल पक्षधर वर्ग के लिए यह चिंता का विषय हो सकता है। अहम सवाल यह है कि देश के लोकतंत्र में आखिर ऐसी कौन से कारण रहे जिसके चलते व्यक्ति विशेष पर आधारित लोकतंत्र का परिदृश्य दिखाई दे रहा है।

गौरतलब है कि भाजपा के प्रचार-प्रसार में भी आम नागरिकों को व्यक्ति विशेष की गारंटी के आधार पर प्रभाव में लेने की कोशिश हो रही है। इसका एक अर्थ यह भी हुआ कि व्यक्ति विशेष की गारंटी के आधार पर दल विशेष को जनमत का बहुमत प्राप्त करने की अपेक्षा है। ऐसे में यह स्वाभाविक सवाल भी उठता है की क्या देश में राजनीतिक दलों के वादे, इरादे और आश्वासन से जन विश्वास उठ गया है, जिसके चलते व्यक्ति विशेष को एक प्रकार से व्यक्तिगत रूप से जनता को गारंटी देना पड़े। प्रचार माध्यमों में स्पष्ट रूप से व्यक्ति विशेष द्वारा गारंटी दी जा रही है, न कि दल विशेष द्वारा।

इस संदर्भ में जरा और गहराई में जाएं तो हम पाते हैं कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात दशकों तक कांग्रेस द्वारा व्यक्ति एवं परिवार विशेष पर पूर्ण रूप से आश्रित रहते हुए सत्तापक्ष की राजनीति की गई। व्यक्ति एवं परिवार विशेष का ही सत्ता व संगठन पर एकछत्र साम्राज्य स्थापित रहा। इनके संरक्षण में उनके आश्रित क्षेत्रीय क्षत्रप अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अपने-अपने परिवार को ही सत्ता एवं संगठन में आगे बढ़ाते रहे। एक समय ऐसा भी आया जब 'इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा' का उद्घोष करते हुए सत्ता और संगठन ही नहीं, अपितु संपूर्ण राष्ट्र को व्यक्ति विशेष के नाम का पर्याय बना देने का प्रयास हुआ।

हालांकि ऐसी धारणा को कालांतर में जनमत का बहुमत भी मिला। लेकिन इसके चलते लोकतंत्र में व्यक्तिवाद का प्रादुर्भाव तो हो ही गया। वर्तमान में यदि ऐसी स्थिति की पुनरावृति हो रही है, तो इसका दोष व्यक्ति या दल विशेष को कैसे दिया जा सकता है? दरअसल एक प्रकार से कांग्रेस अपने ही द्वारा बुने गए मायाजाल में स्वयं ही उलझ कर रह गई है। यदि कांग्रेस द्वारा बीते समय में यह परिपाटी नहीं डाली गई होती तो देश का जागृत जनमत भाजपा को कटघरे में खड़ा करने में रत्ती भर नहीं हिचकता। लोकतंत्र में व्यक्तिवाद की घुसपैठ के लिए भाजपा को कतई जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

वैसे बीते दौर में जब आम नागरिक राजनीतिक दृष्टि से इतनी जागृत नहीं थे जितने कि आज है, तब कांग्रेस के इस खेल को सभी समझ नहीं पाए थे। लेकिन आज जब आम नागरिकों की राजनीतिक चेतना में आमूलचूल परिवर्तन हो चुका है, ऐसे दौर में यदि भाजपा कांग्रेस के पदचिह्नों पर चलने का प्रयास करती है - तो भी आम नागरिक इसे अन्यथा नहीं ले रहे। आज स्थिति यह है कि कांग्रेस अपने ही द्वारा पूर्व में अपनाई गई रीति-नीति को प्रतिस्पर्धी दल द्वारा सफलतापूर्वक क्रियान्वित करते हुए देखकर तथाकथित 'न्याय' की दुहाई के साथ अपने अस्तित्व को बचाने की दिशा में कड़ा संघर्ष करती दिखाई दे रही है।

अन्यथा भाजपा का चाल-चलन, चिंतन और व्यवहार ऐसा कदापि नहीं रहा कि सिद्धांतों पर आधारित यह दल किसी भी प्रकार की व्यक्तिवादी मानसिकता से प्रभावित रहा हो। इस समय देश-प्रदेश की परिस्थिति ही कुछ ऐसी है कि कांग्रेस को शिकस्त देने के लिए उसे उसके ही दांव में लेकर वांछित लक्ष्य को पाया जाए। जागृत जनमत कहीं से कहीं तक ऐसी आशंका नहीं रखता कि लोकतंत्र में लोकतंत्र का मूल स्वरूप परिवर्तित हो रहा है। ऐसा समझने का एक अहम कारण यह भी है कि भाजपा के बैनर तले जो शख्सियत गारंटी दे रही है, वह व्यक्तिवाद एवं परिवारवाद को कहीं से कहीं तक प्रोत्साहित करते दिखाई नहीं देती है।

शिवेश प्रताप

लेखक तकनीकी प्रबंध सलाहकार हैं।

आर्थिक चुनौतियों के हल से भारत बनेगा महाशक्ति

पिछले कुछ समय से तमाम अंतरराष्ट्रीय आर्थिक पंडितों को धता बताते हुए भारत, वैश्विक अपेक्षाओं से भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। इसी के फलस्वरुप पूरी दुनिया अब भारत को निर्विवाद रूप से सबसे तेजी से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था मान चुकी है। इसी क्रम में भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के बाद तेजी से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। परंतु इसी के साथ अपने प्रतिस्पर्धी एवं पड़ोसी देश चीन के साथ अपनी तुलना करने पर हमें कुछ कठोर यथार्थ का भी सामना करना पड़ता है। आज नहीं तो कल वैश्विक मंच पर चीन को पछाड़ने के लिए हमें ऐसे कठोर यथार्थ को स्वीकार करते हुए उन सभी मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है जहां हम चीन से पीछे रह गए हैं।

एक और जहां चीन का प्रति कैपिटा इनकम 12000 अमेरिकी डॉलर से अधिक है वहीं दूसरी ओर भारत का प्रति कैपिटा इनकम मात्र 2200 अमेरिकी डॉलर है। एक तरफ चीन ने अपने देश से गरीबी का उन्मूलन कर दिया है तो वहीं दूसरी ओर भारत में गरीबी एक यक्ष प्रश्न है। देश की आजादी के समय भारत की स्थिति चीन से काफी बेहतर थी, परंतु भारत के अर्थव्यवस्था के विकास में हुई कुछ भारी गलतियों के कारण हम चीन से विकास की रफ्तार में बहुत पीछे छूट गए थे जिसे पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल में सरकार के अथक प्रयासों के बलपर बदतर होने से रोकते हुए सुधारों की प्रक्रिया प्रारम्भ हो पाई है और दुनिया उसके प्रारंभिक रुझान कुछ समय से देख रही है। परन्तु मोदी-3 के लिए भी आर्थिक मोर्चे पर चुनौतियाँ कम नहीं हैं। बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में मोदी -3 सरकार को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का लक्ष्य साधने के क्रम में देश की कुछ कठिन चुनौतियों के स्थायी और ठोस समाधान की कर आगे बढ़ना होगा। आज इन्हीं चुनौतियों और समाधानों की चर्चा इस लेख में की जा रही है।

करंट अकाउंट डेफिसिट यानी चालू खाते का घाटा:

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हर देश अपने आयात एवं निर्यात का एक खाता रखता है। यह वैसा ही है जैसे हमारा बचत खाता सभी निकासी एवं जमा पैसों का अलग अलग हिसाब रखता है। सभी आयात एवं निर्यात संबंधी गणना को बैलेंस आफ पेमेंट के नाम से जाना जाता है। इसमें दो तरह के खाता होते हैं पहले कैपिटल अकाउंट और दूसरा करंट अकाउंट के नाम से जाना जाता है। कैपिटल अकाउंट में वह सभी ट्रांजैक्शन दर्ज होते हैं जिससे किसी दीर्घकालिक एसेट या लायबिलिटी से संबंध रखते हैं। उदाहरण स्वरूप कोई कर्ज लेना एक लायबिलिटी है तो कोई प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एसेट का निर्माण करता है। इसके इतर करंट अकाउंट वह खाता है जहां दर्ज किए गए ट्रांजैक्शन किसी एसेट अथवा लायबिलिटी से संबंध नहीं रखते। यह करंट अकाउंट पुनः दो भागों में विभाजित हो जाता है। पहला ट्रेड अकाउंट जिसमें सभी वस्तुएं जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रोलियम, कृषि संबंधित उत्पाद आदि तथा दूसरे इनविजिबल अकाउंट में सेवाएं, लाभांश, दान, उपहार, ब्याज आदि को दर्ज किया जाता है। यदि करंट अकाउंट के इन्हीं ट्रेड एवं इनविजिबल खातों का कुल योग ऋणात्मक होता है तो इसे करंट अकाउंट डेफिसिट बोला जाता है।

यही करंट अकाउंट डेफिसिट भारत की लगभग एक स्थाई समस्या बन चुकी है। आसान शब्दों में भारत लंबे समय से निर्यात कम करता है और आयात अधिक करता है। हम विश्व मंच पर एक आयात प्रधान देश बन कर रह गए हैं। यद्यपि केंद्र की मोदी सरकार इस बात के लिए प्रशंसा की पात्र है कि इस क्षेत्र को गंभीरता से लेते हुए अपने दूरगामी लक्ष्य पर जिस प्रकार से कार्य कर रही है उसी का परिणाम है कि हमारा करंट अकाउंट डिफिसिट कम होने की और अग्रसर है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के हिसाब से भारत का चालू खाता घाटा अप्रैल-सितंबर 2022 के 48.8 बिलियन डॉलर के मुकाबले आधे से अधिक घटकर वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में 17.5 बिलियन डॉलर का हो गया। परंतु इस घाटे से उबर कर सरप्लस अकॉउंट बनने में अभी समय लगेगा।

वित्त वर्ष 2021-22 के आंकड़ों पर ध्यान दें तो भारत का ट्रेड अकाउंट 189.45 बिलियन के घाटे के साथ बंद हुआ जबकि इनविजिबल अकाउंट में 150.7 बिलियन डॉलर का सरप्लस मौजूद था। इसका सीधा सा अर्थ यह है कि भारत सेवाओं के क्षेत्र में तो मजबूत स्थिति में है परंतु वस्तुओं के निर्यात में स्थिति चिंताजनक है। अब प्रश्न यह जाता है कि आखिर चालू खाता घाटा देश के विकास के लिए इतना खतरनाक क्यों है?

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी देश को व्यापार करने के लिए विदेशी या अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता की मुद्रा की आवश्यकता होती है। यदि चालू खाता सदैव घाटे में रहेगा तो अपना व्यापार बनाए रखने के लिए उसे देश को हर साल अपने फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का उपयोग करना पड़ेगा और इस तरह से उसे देश का यह रिजर्व बेहद कमजोर हो जाएगा।

और अंततः ऐसे देश दिवालिया घोषित हो जाते हैं। भारत के साथ अच्छी बात यह है कि साल दर साल हमारे चालू खाते का घाटा देश के कैपिटल अकाउंट के सरप्लस से बैलेंस हो जाता है और इस तरह से भारत का फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व लगातार मजबूत होता रहता है। परंतु कैपिटल अकाउंट को मजबूती विदेशी निवेश तथा कर्ज से मिलती है और इसलिए बहुत हद तक इस पर वैश्विक एवं घरेलू आर्थिक स्थितियों का नियंत्रण होता है। मंदी की चपेट में आते ही किसी देश का कैपिटल अकाउंट सरप्लस खत्म हो सकता है। ऐसी स्थिति में भारत के लिए अत्यंत आवश्यक खनिज तेल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा प्राकृतिक गैस के आयात पर संकट उत्पन्न हो सकता है और इन पर संकट का अर्थ है देश में गंभीर स्थितियां पैदा होना। साथ ही कैपिटल अकाउंट का मूल्यवर्धन होने का अर्थ लाभ, ब्याज एवं डिविडेंड के रूप में पैसा बाहर जाना भी होता है। इसलिए कैपिटल अकाउंट के बढ़ने से विदेशी मुद्रा कोष बढ़ रहा है तो यह है तो इसे पूर्णतया स्वस्थ दृष्टिकोण नहीं माना जाना चाहिए। इसका अर्थ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाला यह उपकरण भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है।

करंट अकाउंट डिफिसिट को कम करने के तरीके:

भारत का बड़ा ऊर्जा आयातक होना इस घाटे में बड़ा रोल अदा करता है। आज भारत अपने पूर्ण ऊर्जा आवश्यकताओं का 80 प्रतिशत विदेश से आयात करता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की डाटा के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में खनिज तेलों का आयात 4.59 लाख करोड़ का था। वहीं वित्त वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 8.99 लाख करोड़ पर पहुंच गया। इस दबाव को कम करने के लिए जरूरी है कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा की तरफ तेजी से कदम बढ़ाए। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए मोदी सरकार ने साल 2030 तक भारत की समस्त ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत नवीकरणीय माध्यमों से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। मोदी सरकार देश में विद्युत चलित गाड़ियों को बढ़ावा दे रही है, सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा आधारित अवसंरचनाओं पर बड़ा निवेश किया जा रहा है। साथ ही तात्कालिक परिणाम के लिए खनिज तेलों में एथेनॉल मिश्रण को भी सरकार आगे बढ़ा रही है। इसी क्रम में सरकार द्वारा 10 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को समय से पहले पूर्ण कर लिया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि साल 2025 तक 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाए।

इसके अलावा स्वर्ण के आयात से भी भारत को आर्थिक हानि होती है परंतु भारतीय समाज के परंपराओं में स्वर्ण के महत्व को देखते हुए भारत सरकार आयात के लिए मजबूर होती है। सरकार द्वारा स्वर्ण के आयात पर निर्भरता खत्म करने के लिए सावरेन गोल्ड बांड जैसी योजनाओं को लाया गया है। खाद्य तेलों का आयात भी हमारे लिए आर्थिक घाटे का कारण है और यह भारत के खराब कृषि नीति एवं बाजार के समन्वय में कुप्रबंधन का एक उदाहरण है। भारत सरसों, कपास, चावल, पाम और सोयाबीन का उत्पादन बड़े पैमाने पर करने में सक्षम है जिनसे खाद्य तेल बनाए जाते हैं। परंतु न्यूनतम समर्थन मूल्य एवं सरकारी खरीद का फोकस सदैव चावल एवं गेहूं तक ही सीमित रहता था। केंद्र की मोदी सरकार इस क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर होने की ओर कदम बढ़ा रही है। इसी क्रम में सरसों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करते हुए उसके सरकारी खरीद का आश्वासन किसानों को दिया गया है।

हमारे आयात को बढ़ाने में इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेंट्स का भी बड़ा योगदान है। इस क्रम में अपनी आत्मनिर्भरता को तेजी से बढ़ते हुए मोदी सरकार ने उत्पादन आधारित इंसेंटिव योजनाएं लाकर घरेलू बाजारों में निर्माण को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। इन्हीं प्रयासों के फल स्वरुप विश्व प्रसिद्ध मोबाइल कंपनी एप्पल, चीन को छोड़कर भारत में अपने निर्माण इकाइयां स्थापित कर रही है। आर्थिक मोर्चे पर रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने डॉलर पर अपनी निर्भरता को खत्म कर सीधे रुपए में ट्रेड को सुगम बनाने के लिए विशेष वस्ट्रो खातों की व्यवस्था को प्रारंभ किया है।

शोभायात्रा में श्रीरामलला की मूर्ति रही आकर्षण का केंद्र

श्रीरामनवमी पर भगवामय हुआ नगर, जय श्रीराम के गूंजे उद्घोष

बैतूल। रामनवमी के शुभावसर पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव नगर में अपार भक्ति भाव, सौहार्द के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पूरे शहर को भगवामय कर सजाया गया था, जिससे हर तरफ भगवा ध्वज ही नजर आ रहे थे। शाम को श्री राम और माता जानकी की विशाल शोभायात्रा भी निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान श्री रामलला की अयोध्या में स्थापित प्रतिमा की प्रतिकृति, सभी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही।

यहां से निकली शोभायात्रा- श्री रामनवमी पर बुधवार रात शहर के अलग-अलग हिस्सों से राष्ट्रीय हिन्दू सेना, व्यायाम शाला, रघुवंशी समाज सहित अन्य संगठनों ने मिलकर शोभायात्रा निकाली। सदर, टिकारी, थाना रोड समेत अन्य क्षेत्रों से निकाली गई यह यात्राएं लल्ली चौक कोठी बाजार पहुंची। जहां महाआरती का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय हिंदू सेना द्वारा गेंदा चौक सदर पर आरती के बाद शोभायात्रा आयोजन शाम 6.30 बजे से किया गया। यह कार्यक्रम रात्रि तक चलता रहा। राष्ट्रीय हिन्दू सेना

शहर में पिछले 8 वर्षों से राम जन्मोत्सव पर सदर गेंदा चौक से भव्य शोभायात्रा का आयोजन करते आ रही है, प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी शोभायात्रा निकाली गई। बुधवार रात भी संगठन ने गेंदा चौक सदर से यह यात्रा निकाली, जिसका समापन महाआरती कर लल्ली चौक पर हुआ। इस शोभायात्रा में दर्जनों झांकियां और प्रतिमाओं को शामिल किया गया था।

शोभायात्रा में बड़ी संख्या में मौजूद थे श्रद्धालु- नगर में विभिन्न क्षेत्रों सदर, टिकारी से निकाली गई शोभायात्रा में व्यायाम शाला के करतबबाजों ने अपनी कला के जमकर जौहर दिखाए। यह यात्रा भी मुख्य मार्ग से गुजरकर लल्ली चौक पहुंची। जहां श्रद्धालु महा आरती में शामिल हुए। इसी दौरान थाना रोड से भी शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरे शहर का माहौल राममय हो गया था। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक आयोजन में शामिल होने जुटे रहे। कार्यक्रम का सभी ने शांति और सद्भाव के साथ जमकर लुत्फ उठाया।

बसपा प्रत्याशी श्री भलावी ने दाखिल किया नामांकन

बैतूल। बैतूल संसदीय क्षेत्र-29 से बसपा प्रत्याशी अर्जुन भलावी ने गुरुवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बसपा प्रत्याशी ने दोपहर 2.11 बजे एसडीएम राजीव कहार के समक्ष अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। कहार के साथ उप जिलाध्यक्ष अजित मेरावी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि बसपा प्रत्याशी के नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 20 अप्रैल को जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा की जाएगी। बहुजन समाज दल के प्रायोजित अभ्यर्थी द्वारा अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि 22 अप्रैल को 3 बजे तक निर्धारित की गई है। बहुजन समाज पार्टी द्वारा प्रायोजित अभ्यर्थी को प्रतीक आवंटन 22 अप्रैल को 3 बजे के बाद किया जाएगा। 7 मई को मतदान दिवस निर्धारित किया गया है।

बीजासनी मंदिर के जवारे हुए ताप्ती जी में विसर्जित

● मां का स्वरूप होते हैं जवारे, दशमी के दिन है घट विसर्जन का विधान ● नवमी की रात्रि को सिद्धि प्रदान करती हैं मां सिद्धिदात्री ● समृद्धि एवं खुशहाली का प्रतीक होते है मां के जवारे

बैतूल। गंज स्थित बीजासनी मंदिर में चैत्र नवरात्र महोत्सव प्रतिवर्षानुसार धूमधाम से मनाया गया। 300 से अधिक अखंड ज्योत प्रज्जवलित हुई। नौ दिनों की सेवा पूजा अर्चना प्रतिदिन के भोग महाआरती के साथ संपन्न हुई। मंदिर के संस्थापक एवं मंदिर समिति के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने

बताया कि बीजासनी मंदिर में घट विसर्जन दशमी के दिन किया जाता है, जिसका कारण यह है कि नवमी की रात्रि को मां सिद्धिदात्री सिद्धि प्रदान करने आती है तथा नौ दिनों की पूजा साधना एवं तप का फल प्रदान करती है। यह पूछने पर की क्या कारण है की घट विसर्जन हेतु ताप्ती जी के खेड़ी घाट पर या बारहलिंग जाते हैं, उन्होंने बताया माता के घट व जवारे माता का ही स्वरूप है तथा माता का मिलन माता से कराया जाता है। मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं व नगरवासियों से नवरात्र महोत्सव में प्रदान किए गए सहयोग के लिए धन्यवाद प्रेषित किया है।

कैम्पस एम्बेसडर एवं स्वीप आइकॉन के माध्यम से मतदाता जागरूकता : अक्षत जैन

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन में शासन की मंशा के अनुसार अधिक से अधिक लोग मतदान पर्व में सम्मिलित होकर भारत की संप्रभुता और एकता के लिए अपने नागरिक होने का परिचय दें। मतदान पर्व और उसके महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय स्वीप के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों के द्वारा मतदाताओं को आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है और इसी अनुक्रम को आगे बढ़ाते हुए स्वीप के नोडल अधिकारी अक्षत जैन ने कहा कि कैम्पस एम्बेसडर और स्वीप आइकॉन के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने के प्रयास किए जायेंगे।

स्वीप एम्बेसडर- जिले के जाने पहचाने, लोकप्रिय एवं व्यक्ति विशेष को स्वीप एम्बेसेडर बनाया जा रहा है। स्वीप एम्बेसडर के माध्यम से मतदाता में मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश पहुंचाया जाता है। इसी अनुक्रम में स्वीप के नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर(विकास) अक्षत जैन द्वारा विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों, अशासकीय महाविद्यालयों के स्वीप एम्बेसडर की बैठक का आयोजन किया गया था। जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एवं स्वीप नोडल अधिकारी अक्षत जैन के निर्देशन में लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत गुरुवार को जिला पंचायत बैतूल के सभा कक्ष में स्वीप गतिविधियों के प्रचार-प्रसार हेतु प्राचार्य जयवंती हक्सर महाविद्यालय बैतूल, प्राचार्य शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बैतूल, प्राचार्य समस्त अशासकीय महाविद्यालय बैतूल, प्राचार्य समस्त शासकीय/अशासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बैतूल, सभी कैम्पस एम्बेसडर एवं आइकन की उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में लोकसभा निर्वाचन 2024 में स्वीप की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रचार-प्रसार कर निष्पक्ष मतदान किये जाने के उद्देश्य से कैम्पस एम्बेसेडर एवं स्वीप आईकान की कार्यशाला आयोजन किया गया।

पीएम आवास के कॉलम तोड़ने पर हुआ मामला दर्ज

पुलिस ने दो महिलाओं के खिलाफ की कार्यवाही

बैतूल। मिर्च पाउडर आंखों में डालकर पीएम आवास के कॉलम तोड़ने के मामले में पीड़ित की शिकायत पर झल्लार पुलिस ने दो महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अखबार में खबर प्रकाशित होने के बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

दो पर हुआ मामला दर्ज- केरपानी निवासी पीड़िता श्रीमती साधना सोलंकी ने झल्लार थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 8 अप्रैल दिन सोमवार को पीएम आवास की बाऊंड्रीवाल बनाने के लिए मजदूरों से लोहे के कॉलम खड़े करवा रहे थे। तभी रताय बारस्कर नाम की महिला आई और उसने मजदूरों को धमकी देकर भगा दिया। लेकिन इस दौरान कालम खड़े हो गए थे। रात साढ़े 9 बजे रताय बारस्कर, प्रमिला लोखण्डे के साथ आई और गंदी-गंदी गालियां देने लगी। रताय बारस्कर ने आंखों में मिर्ची पाऊडर डाल दिया और इसके बाद कालम तोडक़र फेंक दिए। दोनों महिलाओं ने धमकी भी दी कि यदि दुबारा काम शुरू किया तो जेसीबी मशीन से घर तोड़ देंगे। पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपी महिलाओं के खिलाफ धारा 294, 506, 427, 34 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

कॉलम तोड़ने का सामने आया था वीडियो- पीड़ित पक्ष ने पूरी घटना के वीडियो अपने मोबाइल से बनाए हैं जिसमें पड़ोसी पुरुष खड़े हैं और उनके ही सामने तीन से चार महिलाएं पीएम आवास के कालम तोड़ रही हैं। जब पीड़ित पक्ष ने इसका विरोध किया तो उनके मुंह पर मिर्ची का पाउडर फेंका जा रहा है। इसके साथ ही गाली-गलौज करते हुए धमकी भी महिलाएं देते हुए सुनाई दे रही है।

151 के तहत भी की थी कार्यवाही- पीड़ित साधना सोलंकी का कहना है कि उनके पीएम आवास निर्माण में बाधा डालने वाले कमलेश लोखंडे, मुन्ना लोखंडे, रताय बारस्कर, शिवदीन लोखंडे सहित अन्य घर की महिलाएं शामिल हैं। इनके खिलाफ 2 अप्रैल को झल्लार थाने में आवेदन दिया था जिस पर पुलिस ने इस मामले में 151 की कार्यवाही भी की थी। साधना सोलंकी का कहना है कि पीएम आवास पंचायत द्वारा दी गई जमीन पर बना रहे हैं। इस जमीन पर 40 वर्षों से काबिज है और यह भूदान यज्ञ मंडल की जमीन है।

कांग्रेस प्रत्याशी रामू टेकाम और पूर्व विधायक निलय डागा गांव में बैठकें कर बनाएंगे चुनावी रणनीति

बैतूल। कांग्रेस प्रत्याशी रामू टेकाम और पूर्व विधायक निलय डागा ने आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी में कदम बढ़ाते हुए बैतूल विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में बैठकें आयोजित करने की घोषणा की है। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य पंचायत मुख्यालयों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम जनता के साथ संवाद बनाना है। आगामी 19 अप्रैल को शाम 4 बजे से लेकर रात्रि 9 बजे तक कई गाँवों में बैठक का आयोजन होगा। बैठक में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हेमंत वागद्रे, किसान कांग्रेस अध्यक्ष रमेश गायकवाड़, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष लवलेश राठौर, बैतूल विधानसभा चुनाव प्रभारी यूथ कांग्रेस विजय धुर्वे, मंडलम अध्यक्ष देवेंद्र लोखंडे, विजय राने उपस्थित रहेंगे।

यहाँ कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम जनता के साथ संवाद और समीक्षा की जाएगी। इसके माध्यम से वे ग्रामीण क्षेत्रों के मुद्दों और जन-सामान्य की आशाओं को समझने का प्रयास करेंगे। यह स्थानीय स्तर पर चुनावी रणनीति बनाने का भी एक प्रयास है। विधायक निलय डागा ने बताया कि इन बैठकों में गाँवों की जनता से सीधे बातचीत करके उनकी समस्याओं को समझने और समाधान के लिए प्रतिबद्ध होंगे। गांवों में बैठकें आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य जनता की आवाज को सुनना है। यहां, कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पंचायत मुख्यालयों पर लोगों के साथ जुटकर स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। जिससे कि चुनावी प्रक्रिया में जनता की सक्रिय भागीदारी को मजबूती मिले। यह नई पहल लोकतंत्र की मजबूती को बढ़ावा देने के साथ-साथ, जनता के मुद्दों और जरूरतों को सुनने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

इन ग्रामों में होगी बैठक - कांग्रेस प्रत्याशी रामू टेकाम और पूर्व विधायक निलय डागा बैतूल विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में बैठक लेंगे। वे शाम 4 बजे बारव्ही, शाम 4.45 बजे ढोडरामोहार, शाम 5.30 बजे सेलगांव, शाम 6.15 बजे चारबन, शाम 7.00 बजे रेड़वा, शाम, 7.30 बजे थावड़ी, शाम 8.00 बजे गोंडीगौला, शाम 8.30 बजे बयावाड़ी, रात्रि 9 बजे बघोली, पंचायत मुख्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आम-जन के साथ बैठक करेंगे।

ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों का बैतूल में स्टॉपेज, यात्रियों को सफर करने में होगी सुविधा

बैतूल। रेलवे द्वारा गर्मी के दिनों में ग्रीष्मकालीन ट्रेनों की शुरुआत की है। ग्रीष्मकालीन ट्रेनों का बैतूल रेलवे स्टेशन पर भी स्टॉपेज दिया गया है। ग्रीष्मकालीन ट्रेनों का बैतूल वासियों को भी फायदा मिलेगा। जानकारी के अनुसार एर्नाकुलम से नई दिल्ली एवं नई दिल्ली से एर्नाकुलम के लिए ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का बैतूल में होगा। बैतूल के रैल यातायात निरीक्षक अशोक कटारे ने बताया कि स्टॉपेज ट्रेन क्रमांक 06071 एर्नाकुलम से नई दिल्ली यह ट्रेन 7 ट्रिप में चलेगी । बैतूल स्टेशन पर इसका आगमन 02:46 एवं प्रस्थान 2:48 होगा। यह ट्रेन प्रति रविवार 21, 28 अप्रैल एवं 5, 12 ,19, 26 मई तथा 2 जून को आएगी। ट्रेन क्रमांक 06072 नई दिल्ली से एर्नाकुलम के लिए ट्रेन 7 ट्रिप में चलेगी। यह ट्रेन बैतूल स्टेशन पर प्रति सोमवार 19:00बजे आयेगी एवं प्रस्थान 19:02 पर होगा। यह ट्रेन 22 ,29 अप्रैल एवं 6, 13 ,20 एवं 27 मई तथा 6 जून को आएगी। ग्रीष्मकालीन ट्रेन चलने से अन्य ट्रेनों में चल रही भीड़भाड़ भी कम होगी। इसके अलावा तीसरी लाइन के नान इंटरलॉक कार्य के कारण 48 ट्रेनों रद्द रहेगी और 42 ट्रेनों के मार्ग बदले है।

सामाजिक न्याय की अद्भुत मिसाल बनेगा विश्वकर्मा समाज का निःशुल्क विवाह कार्यक्रम

कृष्ण कुमार और सोनाली आज होंगे परिणयबद्ध, विश्वकर्मा मंदिर में होगा विवाह समारोह

बैतूल। विश्वकर्मा बढ़ई समाज ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज शुक्रवार 19 अप्रैल को विश्वकर्मा मन्दिर में निःशुल्क विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में सारनी के दीपक मालवी, राजेश मालवी, नरेंद्र मालवी, शेखर मालवी जैसे अग्रणी नागरिकों की अनुशंसा पर सारनी निवासी वधु सोनाली का विवाह बैतूल के ग्राम बघोली के वर कृष्ण कुमार के साथ सम्पन्न किया जाएगा। इस निःशुल्क विवाह को समाज के सहयोग से महिला मंडल, युवा मंच और सम्पूर्ण समाज की भागीदारी से किया जाएगा। समाज समिति ने इस विवाह समारोह में सम्पूर्ण व्यवस्था की है। भोजन व्यवस्था को युवा मंच के प्रतिनिधित्व में सौंपा गया है, जबकि महिला मंडल को वधू पक्ष के कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समाज समिति ने सम्पूर्ण समाज से इस विवाह समारोह में उपस्थित होने की अपील की है। इस निःशुल्क विवाह कार्यक्रम

के माध्यम से विश्वकर्मा समाज ने समाज सेवा और सामाजिक समर्थन के क्षेत्र में एक नई मिसाल प्रस्तुत की है। यह निःशुल्क विवाह कार्यक्रम समाज से सहायता और साझेदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो समाज के सदस्यों को आपसी सहारा प्रदान करता है। गौरतलब है कि वधू सोनाली के पिता का एक्सीडेंट में निधन होने के कारण वह बे सहारा हो गई थी, वर कृष्ण कुमार के पिता की भी मृत्यु हो चुकी है, ऐसे में समाज ने आगे आकर दोनों को परिणय सूत्र में बांधने का निर्णय लिया।

ग्रामवासियों ने किया लोकसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार

बैतूल। कोलगांव जिला मुख्यालय से 24 किलोमीटर दूर ताप्ती की गोद में बसे गांव गुट्टी के ग्रामीणों ने लोकसभा के चुनाव में मतदान का बहिष्कार किया हैं। आज भी यह गांव आजादी के 77 वर्ष बाद भी बारिश के चार माह अन्य स्थानों से कटा रहता है। इस गांव की आबादी 640 और यहां वोटरों की संख्या 424 है। ग्राम के लोगो ने मतदान का बहिष्कार किया है और उनका कहना है कि ताप्ती नदी जब बारिश में अपने रौद्र रूप में आती है तो गांव का संपर्क पूरी तरह मुख्य रोड से टूट जाता है जिसे ग्रामीणों को मुख्य मार्ग पर पहुंचना नामुमकिन हो जाता है , जिससे गर्भवती महिला का प्रसव सही समय पर नहीं हो पाता और बारिश में दूसरे अन्य मरीज को भी इलाज नहीं मिल पाता है

जिससे बारिश में ग्रामीणों को भारी परेशानी होती है। एक दूसरा कच्चा मार्ग नायकचारसी से घुट्टीगढ़ भी है परंतु वह भी बहुत बदतर स्थिति में है। जिससे उस पर आना-जाना संभव नहीं हो पाता। अगर वह बन जाता तो बारिश में ग्रामीणों को इलाज एवं बच्चों की पढ़ाई को स्कूल भेजने में कोई समस्या नहीं होती, इसी बात को लेकर आक्रोशित गांव वालों ने लोकसभा चुनाव का बहिष्कार कर दिया है। गांव के शिवदयाल का कहना है कि हमने अनेकों बार जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को आवेदन भी दिए, जिला लेवल से लेकर राज्य लेवल तक मगर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब जब तक हमारा रोड नहीं बनता, हम किसी नेता को हमारे ग्राम में घुसने भी नहीं देंगे।

अपना फिटनेस सेंटर के खिलाड़ियों को टी-शर्ट वितरित की गई

धार। अपना फिटनेस सेंटर 15 मार्च से 15 अप्रैल 30 दिवसीय समर कैंप समापन हुआ कैंप में खिलाड़ियों को कराते किक बॉक्सिंग योगा मेडिटेशन सेल्फ डिफेंस के बारे में जानकारी दी और खिलाड़ियों को टी-शर्ट वितरित की गई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप जोशी समाजसेवी ऋतुराज देवड़ा ने कहा इस तरह के समर कैंप से बच्चों को खेल की बारीकी और फिटनेस के प्रति जागरूक होंगे. जिला किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुरेश परमार ने कहा स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का विकास होता है अगर हमें स्वस्थ रहना है तो निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए. मुख्य प्रशिक्षक विजय सोलंकी ने बताया कि 21 अप्रैल से अगला समर कैंप शुरू होगा जिसमें खिलाड़ियों को फिजिकल एक्टिविटी के साथ-साथ आत्मरक्षा, योग ध्यान,कराटे, किकबॉक्सिंग,हाकी का प्रशिक्षण दिया जाएगा.

धार गायत्री शक्तिपीठ पर पूर्णाहुति और कन्या भोज के साथ सम्पन्न हुआ नवरात्रि पर्व

धार। धार जिला मुख्यालय (महेश नगर) स्थित गायत्री शक्तिपीठ पर आज गुरुवार को पंच कुंडीय यज्ञ आयोजित कर नवरात्र पर्व की पूर्णाहुति की गई। पंचकुंडिया यज्ञ पूर्णाहुति में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और गायत्री महामंत्र तथा महामृत्युंजय मंत्र सहित अनेक अन्य मंत्रो के साथ आहुतियां दी। यज्ञ कर्म गायत्री परिजन प्रज्ञा बैरागी द्वारा सम्पन्न करवाए गए। यह जानकारी देते हुए गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी रमेशचंद्र सचान ने बताया कि यज्ञ पूर्णाहुति और आरती के पश्चात कन्या पूजन और भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में कन्याओं का पूजन किया गया। इस अवसर पर कन्याओ और गायत्री परिजनों द्वारा भोजन प्रसादी भी ग्रहण की गई। गौरतलब है कि इस वर्ष चैत्र नवरात्रि पर्व श्रद्धा ,भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सम्पूर्ण नवरात्र में श्रद्धालू गायत्री परिजनों द्वारा जप, तप, साधना एवं आराधना के साथ विभिन्न संस्कार भी संपादित करवाए गए।

यूपीएससी परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर नीलेश का स्वागत

सुबह सवेरे सोहागपुर। समीपवर्ती ग्राम ईश्वरपुर के नीलेश अहिरवार ने यूपीएससी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के उपरांत सोहागपुर आगमन पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी गणेश अहिरवार ने नीलेश का शाल श्रीफल से स्वागत किया।इस अवसर पर नगर के वरिष्ठ डॉ सोमेश सिटोके, समाजसेवी गणेश अहिरवार, वकील मंगल सिंह रघुवंशी, वकील प्रांजल तिवारी, वकील हरिवंश शर्मा,बलराम उइके, चाचा भाईजी अहिरवार फागूराम अहिरवार, वीर सिंह अहिरवार, अनिल,रामदास बाबूलाल, हर्ष आदि उपस्थित थे।

श्रीराम के जयकारों से गूंजी धारा नगरी, मातृशक्ति ने किया शस्त्र कला का प्रदर्शन,झिलमिलाती झांकियां बनी आकर्षण का केंद्र बिंदु

श्री हरिराम संकीर्तन रामायण मंडल व श्री रामनवमी शोभायात्रा समिति (काठमाण्डु पैनल) सर्वहिन्दू समाज के सङ्युक्त तत्वावधान में निकला चल समारोह

धार। शहर में रामनवमी के अवसर पर श्री हरिराम संकीर्तन रामायण मंडल व श्री रामनवमी शोभायात्रा काठमांडू पैनल के सयुक्त तत्वावधान में चल समारोह निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या हिंदू समाज के लोग शामिल हुए। शोभा यात्रा की शुरूआत महात्मा गांधी मार्ग स्थित आनंदेश्वर मंदिर से हुई। सर्वप्रथम भगवान श्रीराम की आरती की गई इसके बाद शोभायात्रा की शुरूआत हुई जो शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए पुनः आनंदेश्वर मंदिर पहुंची जहां शोभायात्रा का समापन हुआ। शोभायात्रा में दो अलग-अलग झाकियां निकाली गई। झांकियों का निर्माण काठमाण्डु पैनल द्वारा किया गया इसमें एक झाकी में अयोध्या में विराजित भगवान रामलला की मूर्ति की प्रतिकृति झांकी में विराजित की गई। जब यह झाकी शहवासियों के सामने से निकली तो हर किसी को ऐसा लगा मानो वह अयोध्या में हो।

प्रतिवर्ष रामनवमी के अवसर पर श्री हरिराम संकीर्तन रामायण मंडल व श्री रामनवमी शोभायात्रा काठमांडू पैनल द्वारा सयुक्त रूप से श्री राम भगवान की शोभायात्रा निकाली जाती है। इस वर्ष भी शोभायात्रा निकाली गई। शाम सात बजे आनंदेश्वर मंदिर में आरती की गई। इसके बाद शोभा यात्रा की शुरुआत हुई। यात्रा आनंद चौपाटी से होते हुए हटवाड़ा पहुंची इस दौरान बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग यात्रा में शामिल हो गए। वहीं यात्रा जब मोहन टाकीज पहुंची तो युवाओं उत्साह चरम पर देखा गया। इसके बाद यात्रा धानमंडी से होते हुए भाजी बाजार, पट्ठा चौपाटी, नालछा दरवाजा क्षेत्र से होते हुए राजवाड़ा पहुंची जहां यात्रा का समापन हुआ।

झिलमिलाती झांकियां निकली- शोभायात्रा में दो झिलमिलाती झांकियां निकाली गई। इसमें पहले झांकी में अयोध्या में विराजित भगवान रामलला की मूर्ति प्रतिकृति मूर्ति झांकी में विराजित की गई। वहीं दूसरी झांकी में हैदराबाद से लाई गई 14 फीट की भगवान राम की मूर्ति विराजित की गई। जिसे लोगों ने खुब पंसद किया। झांकियों में झिलमिलाती रोशनी को लोगों ने खुब पसंद किया। वहीं शोभायात्रा में चलित भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें इसमें भजन गायक शंशाक तिवारी कुंदनपुर द्वारा एक से बड़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। जिस पर युवाओं द्वारा जमकर नृत्य किया गया।

शस्त्र कला का किया प्रदर्शन- शोभायात्रा में मातृशक्तियों ने भी भाग लिया। वहीं 100 से अधिक मातृशक्ति ने शोभायात्रा के दौरान शस्त्रकला का प्रदर्शन किया। मातृशक्ति के शस्त्र कला प्रदर्शन की शहवासियों द्वारा सराहना की गई।

अनुकंपा नियुक्ति देने के मामले में पूर्व नगरपालिका अधिकारी सुरेश बेलिया की भूमिका संदिग्ध : महेश वर्मा

सत्यापित दस्तावेजों की मांग

नर्मदापुरम। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध नगरपालिका कर्मचारी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 कि धारा (6) (1) के पालन में नगरपालिका में पदस्थ उन कर्मचारियों की जानकारी मांगकर हड़कंप मचा दिया है। नगरपालिका से सूचना के अधिकार के तहत मांगी है जानकारी में जिन्हें नगरपालिका में अनुकंपा नियुक्ति देकर पद स्थापना दी गई है। उसमें शासन से जारी अनुकंपा नियुक्ति नियमावली का पालन किया गया है..? जानना चाहा है। मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष ने जारी एक विज्ञप्ति में बताया है कि राजनैतिक दबाव या संरक्षण के चलते ये नियुक्तियां तत्कालीन सीएमओ सुरेश बेलिया ने जो आज संयुक्त संचालक है ने कर्मचारियों के आश्रितों को शासन की अनुकंपा नियुक्ति नियमावली के विपरित जाकर पद स्थापना दी है। श्री वर्मा का आरोप है श्री बेलिया कि भूमिका इसमें संदिग्ध हैं। क्योंकि जीवित पत्नी का अधिकार छीनकर कर बगैर उसकी सहमति पत्र के कर्मचारी को चाचा के स्थान पर अनुकंपा नियुक्ति दी है। विज्ञप्ति में श्री वर्मा ने फिर ऐसे सफाई कर्मचारी जो अपनी अधि-वार्षिकी आयु पूर्ण कर चुके हैं। दादा दादी नानी ससुर के स्थान पर परिवार से संबंधित आश्रितों को भी अनुकंपा नियुक्ति का भी लाभ दिया गया है उन्हें किसके जगह पर अनुकंपा दी गई इन अनुकंपा नियुक्ति में आश्रितों से उनके संबंधित रिश्ते क्या है। नगरपालिका से जानकारी मांगी है। उसमें उनकी प्रथम नियुक्ति दिनांक पद सहित, नगरपालिका में पीढ़ी दर पीढ़ी, जिनके मां बाप केन्द्र शासन, मध्य प्रदेश शासन, जो नगरपालिका में पदस्थ हैं को भी आश्रित अनुकंपा कोटे का लाभ पद स्थापना देकर किया गया उसकी जानकारी चाही है। श्री वर्मा ने विज्ञप्ति के जरिए बताया कि इस विषय पर निकट भविष्य में माननीय न्यायालय में प्रकरण दर्ज किया जावेगा इसलिए सत्यापित मूल दस्तावेजों कि मांग सूचना शाखा से कि गई है। साथ ही मजदूर संघ लोक सूचना अधिकारी यानि नगरपालिका सीएमओ से अपेक्षा करता है कि इस मामले में स्वत- संज्ञान ले सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 कि धारा (6) (1) के पालन में संबंधित सत्यापित दस्तावेज मिल सके के पक्ष में नियमानुसार उचित कार्यवाही करे लिखा है।

श्री राम जन्मोत्सव के शुभअवसर पर नालछा में किया गया 15 क्विंटल फरियाली खिचड़ी का वितरण

पिछले 10 वर्षों से नवदुर्गा साख समिति व सकल हिंदू समाज के द्वारा हो रहा है खिचड़ी वितरण का आयोजन

निखिल ग्वाल (सुबह सवेरे) नालछा। मां अंबे की आराधना के महापर्व चैत्र नवरात्रि की महाअष्टमी की महातिथि पर समीपस्थ ग्राम जीरापुरा में मां चौसठ योगिनी बावन भेरू मंदिर मानसरोवर धाम पर मां चोसठ योगनी को अपनी कुलदेवी मानने वाले निमाड़ के श्रद्धालु भक्तो सहित अन्य स्थानों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में जीरापुर धाम पहुंचते है. महाअष्टमी की रात्रि में मां की आराधना और रात्रि जागरण पश्चात अगले दिन नवमी को प्रातः स्नान और फिर मां चौसठ योगिनी के दर्शन व पूजन के बाद पुनः अपने घर लौटते समय नालछा होते हुए ही प्रस्थान करते है, ऐसे में नालछा में नवदुर्गा साख समिति व सकल हिंदू समाज के द्वारा श्री राम जन्मोत्सव 'रामनवमी' के शुभ अवसर पर नगर के गणगौर घाट पर प्रतिवर्ष फरियाली खिचड़ी वितरण का आयोजन किया जाता है.इस वर्ष भी सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालुओं को फरियाली खिचड़ी का वितरण प्रारंभ कर दिया गया था जो दोपहर 11 बजे तक निरंतर चलता रहा इस वर्ष लगभग 25 हजार श्रद्धालु भक्तो को 15 क्विंटल से अधिक फरियाली खिचड़ी का वितरण किया गया.

पिछले 10 वर्षों से हो रहा है फरियाली खिचड़ी वितरण का आयोजन...

नवदुर्गा साख समिति द्वारा सकल हिंदू समाज के सहयोग से नालछा के गणगौर घाट पर पिछले 10 वर्षो से फरियाली खिचड़ी के वितरण का आयोजन किया जा रहा है.एक दिन पहले से आयोजन को लेकर तैयारी प्रारंभ कर दी जाती है. रामनवमी की सुबह 5 बजे से फरियाली खिचड़ी वितरण प्रारंभ कर दिया जाता हे जो दोपहर 11 बजे तक जारी रहता हे जिसमे हजारों श्रद्धालु भक्त फरियाली खिचड़ी की प्रसादी ग्रहण करते है. आयोजन की व्यवस्थाओं को संचालित करने में नगर के वरिष्ठजन, विशेषकर युवाओं द्वारा स्वेच्छा से सहयोग कर सेवा दी जाती है.

मतदाताओं को जागरूक करने जिले में हो रहे मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम

नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा और निर्वाचक सहभागिता- स्वीप के अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन व सीईओ जिला पंचायत एवं जिला नोडल अधिकारी स्वीप श्री दलीप कुमार के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता अभियान जिले में चलाया जा रहा है।इसी कड़ी में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों गोटेगांव, नरसिंहपुर, तेंदूखेड़ा व गाडरवारा में जगह- जगह मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं और मतदाताओं को लोकसभा चुनाव में वोट डालने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

कविता के जरिए मतदान का बताया महत्व- मतदाता जागरूकता अभियान में पत्रकार भी सहभागी हो रहे है। जिले के तहसील करेली मे पत्रकारों के संगठन करेली प्रेस परिषद के सह- सचिव व युवा कवि श्री अमित जैन संजय अपनी कविताओं के जरिये जागरूक कर रहे है। मत का ये दौर आया- नीति का समां है छाया, मतदान करने को साथ- साथ जाइये, जाति धर्म कौम की ये राजनीति करो नहीं... देशहित सोच के ही साथ साथ जाइये, घूसखोरी चले नहीं- कामचोरी चले नहीं..., ऐसे ही प्रत्याशी चुन साथ साथ जाईए... मतदान है जरूरी, जान लो मेरे भाई, हम सब तिरंगा लिये साथ- साथ जाइये कविता के माध्यम से जगह- जगह जागरूक कर रहे हैं।

घर- घर जाकर मतदाताओं को पीले चावल देकर मतदान के लिए किया आमंत्रित- मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिले में शतप्रतिशत मतदाताओं को निष्पक्ष, निर्भीक एवं नैतिक मतदान करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से घर- घर जाकर मतदाताओं को पीले चावल देकर मतदान के लिए आमंत्रित किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं द्वारा पाला, कन्हारपानी, चीलाचौन खुर्द, समनापुर आदि ग्रामों में युवा, महिला, व पुरूष मतदाताओं को मतदान के लिए आमंत्रित किया गया। इस दौरान घर- घर जाकर मतदाताओं को वोट डालने के लिए भी प्रेरित किया गया। मतदाताओं को मतदान की तारीख एवं समय की जानकारी दी गई। मतदाताओं को बताया गया कि इस बार वे केवल मतदाता पर्ची के आधार पर अपना वोट नहीं दे सकेंगे। मतदाताओं को मतदान के समय अपनी पहचान के लिए मतदाता परिचय पत्र- इपिक अथवा निर्धारित अन्य 12 वैकल्पिक दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा।

नुक्कड़ नाटक से ग्रामीण मतदाता हो रहे जागरूक- मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक के दलों द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामों और शहरी वार्डों में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। वे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीण मतदाताओं को मतदान करने और मतदान की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दे रहे हैं। ग्राम बरहटा, बेलखेड़ी, नोनिया में नुक्कड़ नाटक के कलाकार दीपक श्रीवास्तव, नीरज जैन, सुनील चौधरी, नितिन लखेरा, नीतेश जैन व विपनेश जाटव ने ग्राम ग्रामीणवासियों को मतदान करने की शपथ दिलाई।

शीश महल में विश्व विरासत दिवस सम्पन्न

धरोहरें हमारे पूर्वजों की निशानी हैं : हरिहरदत्त शुक्ला

धार। हमारे देश की धरोहरें जितनी विविध है उतनी ही विशेष भी। भारत में हजारों अमूर्त व मूर्त धरोहर है। आज आवश्यकता है उन्हें पहले हम जाने फिर अपने साथियों को बताए। विश्व धरोहर दिवस हमारी धरोहरों के प्रति ध्यान आकर्षित करने का विशिष्ट दिवस है। धरोहर हमारे दादा परदादा अर्थात पूर्वजों की निशानी व उन्हीं की देन है। इन्हें संभालना हमारा नागरिक कर्तव्य है। किले, गढ़ व दुर्ग का अंतर परिभाषित है। उक्त विचार किले परिसर स्थित शीश महल में इंटेक संयोजक डॉ दीपेंद्र शर्मा, एक्सीलेंस स्कूल के प्रभारी श्याम शर्मा व भास्कर विद्यापीठ के संचालक हरिहरदत्त शुक्ला ने व्यक्त किए। तरुण भास्कर हैरिटेज क्लब व एक्सीलेंस हैरीटेज क्लब के बच्चों ने विशेष सहभागिता की। बच्चों ने पुराने दरवाजों, शीषमहल व खरबूजा महल का अवलोकन किया। इतिहास जाना। बच्चों ने बाजीराव पेशवा द्वितीय की बाल्यावस्था में उपयोग की फिसलपट्टी व स्नानकुण्ड को भी देखा। संचालन प्राचार्य रीना ठाकुर ने किया। जानकारी मीडिया प्रभारी राकी मक्कड़ ने दी।

मातापुरा के जग्गू, गोलू ने बनाई अयोध्या के श्री रामलला की उत्कृष्ट आकृति, शोभायात्रा में आकर्षण का केन्द्र रही

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। श्रीराम जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में रामनवमी की विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा अयोध्या में 500 सालों के उपरांत रामलीला को भव्य मंदिर में स्थापित करने की झलक सोहागपुर की रामनवमी की शोभायात्रा में दिखाई दी। जिसमें सोहागपुर में मातापुरा के प्रजापति परिवार ने हमेशा गणेश प्रतिमाओं के अलावा मातारानी की उत्कृष्ट प्रतिमाओं का निर्माण करके दूर दूर तक सोहागपुर की विख्याति दिलाई थी। अब इस परिवार के जग्गू, गोलू ने अयोध्या के रामलीला की प्रतिमा निर्माण करके शाबाशी प्राप्त की। उक्त अयोध्या रामलीला की प्रतिमा रामनवमी पर आर्कषण का केंद्र बनी रही। रामनवमी की शोभायात्रा विख्यात शिव पार्वती मंदिर राज्य मार्ग नर्मदापुरम पिपरिया से प्रारंभ हुई। शोभायात्रा नगर के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण इलाकों की निकाली गई थी। शोभायात्रा में डीजे, श्री राम स्वरूप पात्र, बग्गी में विराजमान थे। वहीं राम भक्त हनुमान की प्रतिमा भी शोभायात्रा में साथ थी। वहीं जयकारों के साथ अयोध्या के रामलीला भी खुली जीप में आर्कषण का केंद्र रहे। इधर डीजे की धून पर राम भक्त धार्मिक गानों पर थिरक रहे थे। उसके बाद वाली पंक्ति में मातृशक्ति केसरिया पगड़ी बांधे नृत्य कर रही थी। राज्य मार्ग नर्मदापुरम पिपरिया मुख्य बाजार में जमकर आतिशबाजी जलाई गई। शोभायात्रा न्यायालय चौराहे पर आकर कार्यक्रम स्थल पर परिणिती हुई। यहां सामूहिक सुन्दरकाण्ड का आयोजन किया गया। वहीं श्री राम के स्वरूपों को आर्कषित मंच पर विराजमान किया गया। श्री राम स्वरूप पात्रों का जनप्रतिनिधियों, नेताओं के अलावा राम भक्तों ने पूजा अर्चना की। शोभायात्रा यात्रा का जगह जगह श्रद्धालुओं भक्तों ने स्वागत किया। की स्थानों पर भक्तों ने जल पान व्यवस्था की थी। इधर सारे रास्ते शोभायात्रा के पीछे प्रशासनिक अधिकारिओं एवं पुलिस अधिकारियों के वाहन भी चल रहे थे।

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

उम्मीदवारों की एक ही मांग शिवराज करें उनका प्रचार

शिवराज सिंह चौहान अब राज्य के मुख्यमंत्री नहीं हैं, इसके बाद भी चुनाव प्रचार के लिए उनकी मांग मुख्यमंत्री से भी ज्यादा है। हर उम्मीदवार चाहता है कि सिर्फ एक बार शिवराज सिंह चौहान उनका चुनाव प्रचार करने आ जाएं तो माहौल बन जाएगा। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व चाहते हुए भी शिवराज सिंह चौहान को अलग-थलग नहीं कर पा रहा है। पार्टी के उम्मीदवारों के पर्चा दाखिल कराने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा के अलावा शिवराज सिंह चौहान भी कई जगह दिखाई दिए हैं। मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष हांफते-दौड़ लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक-जगह से दूसरे जगह पहुंचने की जल्दी में मुख्यमंत्री का तो ठीक से चुनावी भाषण भी नहीं हो रहा है। पिपरिया में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए थे, उस सभा मंच पर मुख्यमंत्री बमुश्किल एक मिनट ही बोले। चुनाव में अधिकांश नेता अपने तय कार्यक्रम के अनुसार नहीं पहुंच पा रहे हैं। इससे चुनावी भाषण खास रंग नहीं जमा पा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को सुनने के लिए महिलाएं देर तक इंतजार करती रहती हैं। जहां मुख्यमंत्री साथ होते हैं वहां कई बार ऐसी स्थिति बन जाती है कि जनता का मूड देखते हुए सबसे आखिर में शिवराज सिंह चौहान ही भाषण देते हैं। राजगढ़ में भी मुख्यमंत्री जल्दी में थे। उन्होंने अपना भाषण दिया और निकल गए। आखिर में माहौल शिवराज सिंह चौहान ने ही जमाया। राजगढ़ लोकसभा सीट पर भाजपा के रोडमल नागर का मुकाबला पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से हो रहा है। दिग्विजय सिंह के आने से भाजपा और उसके उम्मीदवार रोडमल नागर अपनी जीत के लिए आश्वस्त नहीं है। नागर को हर चुनावी सभा में भूल-चूक के लिए माफी भी मांग रहे हैं। पार्टी के लिए जो सीटें चुनौतीपूर्ण लग रही हैं,वहां भी शिवराज सिंह चौहान को ही भेजा जा रहा है। शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को शिवपुरी में ज्योतिरादित्य सिंधिया का नामांकन दाखिल कराने भी पहुंचे थे।

लाड़ली बहना का असर बरकरार

शिवराज सिंह चौहान अठारह साल से अधिक समय तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने पंचायत से लेकर लोकसभा तक के चुनाव जीते हैं। उनकी सरकार कई योजनाओं के लिए याद की जाती है। इनमें लाडली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना गेमचेंजर योजना के तौर देखी जाती हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ 2008 के विधानसभा चुनाव में मिला था और लाडली बहना योजना का लाभ 2023 के विधानसभा चुनाव में मिला है। लाड़ली बहना योजना की लोकप्रियता के कारण ही भाजपा 163 सीटें जीतने में सफल रही है। शिवराज सिंह चौहान की नीतियों के कारण ही कांग्रेस लगातार कमजोर हुई है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार से उसके सामने नेतृत्व का संकट खड़ा हो गया है। राज्य की राजनीति दो दलीय है। इस कारण कांग्रेस अब तक खत्म होने से बची हुई है। कोई तीसरा दल होता तो शायद मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस की स्थिति उत्तर प्रदेश की तरह हो जाती। शिवराज सिंह चौहान भाजपा के एक मात्र ऐसे नेता हैं,जिनका खुद का मजबूत जनाधार है। महिला वोटरों का बड़ा हिस्सा उनके साथ है। विधानसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान को जब पांचवी बार राज्य का मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो महिला वोटरों के बीच में निराशा का भाव भी देखा गया था। लाड़ली बहना योजना के भविष्य को लेकर भी कई तरह की अटकलें चलती रहती हैं। इस योजना के बारे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एक बार नहीं कई बार यह कहना पड़ा कि लाड़ली बहना योजना जारी रहेगी।

राजगढ़ से पांढुर्ना तक शिवराज का जलवा

लोकसभा का यह चुनाव कांग्रेस के लिए बेहद चुनौती भरा दिखाई दे रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ एक छिंदवाड़ा की सीट पर ही सफलता मिल पाई थी। इस चुनाव में भाजपा का पूरा ध्यान छिंदवाड़ा की सीट पर ही है। विधानसभा चुनाव के परिणाम भाजपा के पक्ष में आ जाने के बाद शिवराज सिंह चौहान ने पहला

दौरा छिंदवाड़ा का ही किया था। उन्होंने कहा था कि छिंदवाड़ा जीतकर मोदी जी के गले में 29 कमल की माला डालना है। डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद शिवराज सिंह चौहान छिंदवाड़ा कम ही गए। पार्टी ने उन्हें दक्षिण के राज्यों में भेज दिया था। पिछले दिनों जब वे चुनाव प्रचार के लिए छिंदवाड़ा लोकसभा सीट के पांढुर्ना पहुंचे तो महिलाओं ने कहा कि आप फिर मुख्यमंत्री बनोगे। महिलाओं वोटरों के भीतर शिवराज सिंह चौहान को लेकर यह जो भाव है,उसे भुनाने के लिए उम्मीदवार शिवराज सिंह चौहान की मांग प्रचार के लिए कर रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान का नाम भाजपा की 40 स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं। शिवराज सिंह अपनी लोकसभा के साथ-साथ प्रदेश की अन्य क्षेत्रों में भी पहुंचकर जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। रविवार को उनका कार्यक्रम मंडला लोकसभा क्षेत्र के ग्राम पलारी में था। वे भाजपा उम्मीदवार फग्गन सिंह कुलस्ते के समर्थन में जनसभा करने गए थे। जनसभा के दौरान हुई बरसात, बादल भी गड गड़ाए पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान जनसभा के लिए मंच पर पहुंचे और उनके सामने सैकड़ों की संख्या में लाड़ली बहनें मौजूद थीं। शिवराज सिंह चौहान के संबोधन के बीच तेज बरसात होने लगी व बादल गरजने लगे। तेज बरसात के बीच भी शिवराज सिंह चौहान ने अपना भाषण बंद नहीं किया। सभा सुनने आई महिलाओं ने कुर्सी अपने सिर पर रखकर शिवराज सिंह चौहान का भाषण सुना।

सिंधिया के नामांकन में नेताओं की मौजूदगी

ज्योतिरादित्य सिंधिया की राजनीति बिल्कुल बदल चुकी है। वे पिता माधवराव सिंधिया की विमान दुर्घटना में हुए असमायिक निधन के बाद राजनीति में आए थे। इससे पहले वे सक्रिय राजनीति में नहीं आए थे। उन्हें कांग्रेस या भाजपा में से किसी एक को चुनना था। देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे। वे चाहते थे कि ज्योतिरादित्य सिंधिया भाजपा में शामिल होकर राजनीति करें। राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री थे। सिंधिया ने कांग्रेस को चुना। उन्होंने पहला चुनाव लोकसभा का वर्ष 2002 में लड़ा था। गुना में उप चुनाव था। सिंधिया ने रिकॉर्ड वोट से जीत दर्ज कराई थी। 2004 से लेकर 2019 तक के लोकसभा चुनाव में नामांकन पत्र दाखिल करते वक्त सिंधिया अपने साथ कांग्रेस पार्टी के किसी और बड़े चेहरे को नहीं रखते थे। इस क्षेत्र में सिंधिया का चेहरा ही काफी माना जाता है। सिंधिया परिवार का जनाधार भी है और बड़ा नाम भी है। भारतीय जनता पार्टी में आने के बाद वे गुना-शिवपुरी लोकसभा सीट से पहला चुनाव लड़ रहे हैं। सिंधिया ने अपने आपको भाजपा की रीति-नीति के अनुसार ढाल लिया है। संगठन सर्वोपरि है। यहां मुख्यमंत्री या पार्टी अध्यक्ष को अनदेखा नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि उनके नामांकन पत्र दाखिल करते समय पार्टी के तीनों प्रमुख चेहरे मौजूद थे। इन तीनों चेहरों को गुना से रैली के साथ शिवपुरी तक जाना था। लेकिन,समय पर नहीं पहुंच सके। इस कारण सिंधिया रवाना हो गए। पीछे-पीछे ये तीनों नेता पहुंच गए।

छिंदवाड़ा में मुश्किल में कौन कमलनाथ या भाजपा

देश के गृह मंत्री और सबसे ताकतवर नेता अमित शाह मंगलवार को छिंदवाड़ा में थे। यहां उनका रोड शो था। कोई सभा नहीं रखी गई थी। इसी रोड शो का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो के बारे में कहा जा रहा है कि पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना को अमित शाह के रोड शो के वाहन से खींचकर नीचे उतार दिया गया। वीडियो में जो व्यक्ति दिख रहा है,उसका हुलिया दीपक सक्सेना से मिलता-जुलता है। वायरल वीडियो के साथ कहा जा रहा है कि छिंदवाड़ा में कांग्रेस छोड़ने वालों से किस तरह का व्यवहार भाजपाई कर रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं के भाजपा में जाने से कमलनाथ का गढ़ कमजोर हुआ है। इसका कितना फायदा भाजपा को मिलता है,यह अभी दावा नहीं किया जा सकता। अमित शाह इस गढ़ में आखिरी चोट करने आए थे। लेकिन, खबर यह आई कि पार्टी के उन नेताओं को बाद में देखने की नसीहत देकर चले गए,जो बंटी साहू की उम्मीदवारी से नाराज थे। मतलब कांग्रेसियों को भाजपा में लेने से सिर्फ मनोवैज्ञानिक बढ़त ही अब तक बनती दिख रही है। बुधवार को छिंदवाड़ा सहित छह लोकसभा सीटों पर चुनाव प्रचार रूक गया है। 19 अप्रैल को वोट डाले जाना है। भाजपा के पास अब पोलिंग स्टेशन पर तोड़फोड़ करने के लिए सिर्फ 48 घंटे हैं। कांग्रेस के एक विधायक कमलेश शाह पहले ही भाजपा में आ गए हैं। आखिरी वक्त में जुन्नारदेव के विधायक सुनील उइके को नगर पालिका द्वारा नोटिस दिया गया है। सुनील उइके मॉल बना रहे हैं। नगर पालिका ने उनसे सभी अनुमतियां मांगीं हैं। जाहिर है कि चुनाव से पहले बूथ पर दबाव की राजनीति भाजपा ने शुरू की है।

भाजपा में शामिल होने से भी नहीं रुकी तड़ीपार की कार्यवाही

इंदौर से कांग्रेस के पूर्व विधायक संजय शुक्ला के भाजपा में शामिल होने के बाद भी खनिज विभाग द्वारा करोड़ों रुपए की वसूली का नोटिस जारी कर दिया गया। सरकारी वसूली का कोई नोटिस एक बार जारी हो गया तो उसे निरस्त करना मुश्किल भरा होता है। इसी तरह कोई आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्यवाही प्रस्तावित है तो भी वह दलबदल करने या राजनीतिक चोला पहनने से भी कई बार नहीं रूकती। यह भी हो सकता है कि सरकार रोकना ही नहीं चाहती हो? दमोह में दस दिन पहले राजेंद्र बुधौलिया नामक कांग्रेस नेता सत्तर गाड़ियों के काफिले के साथ भाजपा में शामिल हुए थे। पार्टी ने उनके गले में भगवा गमछा डालकर भाजपाई मान लिया था। लेकिन, कलेक्टर सुधीर कोचर ने इसके बाद भी जिला बदर की फाइल को लंबित नहीं किया। जिला बदर का आदेश जारी कर दिया। इस आदेश के बाद बुधोलिया आसपास के जिले में भी नहीं जा सकते।

दूसरे दौर के प्रचार पर जोर

पहले दौर के मतदान वाले क्षेत्रों में चुनाव प्रचार बंद हो जाने के बाद अब भाजपा का पूरा जोर दूसरे दौर के मतदान वाली सीटों पर है। दूसरे दौर में लोकसभा की सात सीटों पर वोट डाले जाएंगे। ये टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना,रीवा होशंगाबाद और बैतूल हैं। होशंगाबाद सीट पर प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिपरिया में चुनावी सभा कर चुके हैं। अब 19 अप्रैल को दमोह में प्रचार के लिए आ रहे हैं। 19 अप्रैल को ही छह लोकसभा सीटों पर वोट डाले जा रहे होंगे। एक पंथ दो काज वाली स्थिति होगी। दमोह के अलावा भोपाल में भी प्रधानमंत्री की सभा की बात चल रही है। कांग्रेस के पास राहुल गांधी का चेहरा ही है। वे भी दूसरे दौर बीस अप्रैल को प्रचार के लिए आएंगे।

सिविल जज पात्रता परीक्षा नियमों में बदलाव नहीं

सिविल जज भर्ती परीक्षा नियमों को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में लगी याचिका को खारिज कर दिया हैं। हाईकोर्ट में सिविल जज भर्ती परीक्षा को लेकर अलग-अलग 15 याचिका दायर की गई थी, जिसे कि खारिज कर दिया गया हैं। यह सुनवाई चीफ जस्टिस रवि मलिमथ और जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ पर लगाई गई थी, जिसे कि खारिज किया गया हैं। हाईकोर्ट ने इस मामले पर 170 पेज का अपना फैसला सार्वजनिक किया हैं।

दरअसल सिविल भर्ती परीक्षा को लेकर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में रहने वाले अभ्यर्थियों के द्वारा सिविल जज भर्ती परीक्षा नियमों को चुनौती दी गई थी। इसके बाद इसे हाईकोर्ट में चुनौती देने के लिए याचिका दायर की गई। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमथ और जस्टिस विशाल मिश्रा ने 20 फरवरी 2024 और 1 अप्रैल 2024 को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस फैसले को मंगलवार को सार्वजनिक रूप से जारी किया गया।

चीफ जस्टिस की डिवीजन बैंच ने अपने 170 पेज के फैसले में कहा कि याचिका के माध्यम से दी गई दलीलों से कोर्ट किसी भी तरह का इत्तेफाक नहीं रखता। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि न्याय हित और जनहित में संशोधित नियम पूरी तरह उचित है। लिहाज़ा ये याचिकाएं खारिज की जाती है, इसके साथ ही परीक्षा के नियमों में किसी भी तरह का बदलाव करने से भी हाईकोर्ट ने इंकार कर दिया गया।

गौरतलब है कि प्रदेश भर से कई याचिकाओं के माध्यम से सिविल जज भर्ती नियमों की वैधानिकता को चुनौती दी गई थी। संशोधित नियम के तहत एलएलबी परीक्षा में बिना एटीकेटी के 70 प्रतिशत अंकों के साथ पास करना अथवा तीन साल की वकालत के अनुभव के साथ सिविल जज परीक्षा के लिए पात्रता निर्धारित की गई है, साथ ही साक्षात्कार में 40त्न अंकों की अनिवार्यता सहित अन्य प्रावधान किए गए थे जिसे लेकर कई अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी ।

हेल्थ मिनिस्टर के जिले में तड़प रहा हीमोफीलिया का मरीज

पीसीसी चीफ ने ट्वीट किया वीडियो, मरीज का भाई बोला-चार दिन से डॉक्टर देखने तक नहीं आए

भोपाल। मप्र के हेल्थ एंड मेडिकल एजुकेशन मिनिस्टर और डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ला के गृह जिले रीवा में हीमोफीलिया ग्रस्त मरीज को इलाज नहीं मिल पा रहा है। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती एक मरीज के भाई द्वारा बताई गई परेशानी का वीडियो जीतू पटवारी ने ट्वीट कर स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला पर हमला बोला है। पटवारी ने मप्र की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी सवाल उठाए हैं। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के गृह जिले रीवा के संजय गांधी अस्पताल में हीमोफीलिया का मरीज पिछले कुछ दिनों से तड़प रहा है, लेकिन इलाज नहीं हो रहा है। परिजन का आरोप है, डॉक्टर्स इलाज से ही मना कर रहे हैं। जब स्वास्थ्य मंत्री के इलाके में यह हाल है, तो प्रदेश के अन्य जिलों की क्या स्थिति होगी? मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी, चुनावी सभा का एक भाषण प्रदेश के स्वास्थ्य सेवाओं पर भी होना चाहिए। जनता जानना चाहती है, कोरोना में लाखों सरकारी हत्याएं करवाने वाली बीजेपी सत्ता महामारी के बाद कितनी सुधरी है। रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज में भर्ती हीमोफीलिया पीडित मरीज के भाई ने क्या कहा- हमारे बड़े भाई साहब को हीमोफीलिया है। मैं उन्हें संजय गांधी मेडिकल कॉलेज रीवा में भर्ती किए हुए हूं। लेकिन हमें यहां के वरिष्ठ डॉक्टरों से मदद नहीं मिल पा रही है। चार-पांच दिनों से कोई वरिष्ठ डॉक्टर देखने तक नहीं आए। बडे भैया के इलाज में फैक्टर 10 इंजेक्शन की जरूरत है। इसमें हमें मदद चाहिए। हमारा शासन प्रशासन से निवेदन है कि जैसे भी हो फैक्टर 10 इंजेक्शन की व्यवस्था कराने में हमारी मदद करें और डॉक्टरों को निर्देशित करें कि वे मरीज को देखने आएं।

वोटिंग से पहले मंडला के मतदान कर्मी की मृत्यु

13 जिलों के 6 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान आज वोट पड़ने तक बालाघाट में हेलीकाप्टर रहेगा

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने गुरुवार को प्रदेश की छह लोकसभा सीट में 19 अप्रेल को होने वाले मतदान की जानकारी देते हुए बताया कि सीधी, शहडोल, मंडला, जबलपुर, बालाघाट और छिंदवाड़ा में होने वाले मतदान के लिए मतदान दल पहुंच गए हैं और मतदान केंद्रों पर पहुंचकर कल सुबह मतदान की तैयारी करेंगे। आज मतदान दलों के रवाना होने के दौरान मंडला जिले के एक मतदान कर्मचारी मनीराम कावरे की हार्ट अटैक से मृत्यु हुई है। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया पर बचाया नहीं जा सका है। उनकी मृत्यु के बाद आयोग की ओर से तय 15 लाख की सहायता राशि देने के आदेश हो गए हैं और पत्नी को अनुकम्पा नियुक्ति दिए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके अलावा कहीं और किसी तरह की शिकायत नहीं है। सीईओ राजन ने बताया कि कल सुबह 5.30 बजे से मॉक पोल होगा और सात बजे से वोटिंग शुरू होगी। मॉक पोल के दौरान उम्मीदवार और उनके अधिकृत एजेंट मौजूद रह सकेंगे। इस दौरान नोटा पर भी वोट डाला जाएगा। मीडिया से चर्चा में सीईओ राजन ने कहा कि सभी छह सीट पर अधिकतम मतदान पर जोर दिया

जाएगा। इसके लिए कलेक्टरों को मतदान केंद्रों पर टेंट लगाने और पेयजल की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है ताकि गर्मी के कारण लोगों को दिक्कत नहीं हो। उन्होंने कहा कि वोटिंग के दौरान किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारियों की टीम लगातार मतदान केंद्रों का भ्रमण करेगी और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध तुरंत एक्शन लेगी। सीईओ राजन ने कहा कि पहले चरण के मतदान छह लोकसभा क्षेत्र के लिए 47 विधानसभा क्षेत्रों में होना है। इन लोकसभा में 13 जिले शामिल हैं।

बालाघाट के तीन विधानसभा में चार बजे तक वोटिंग

बालाघाट के तीन विधानसभा क्षेत्रों लांजी, बैहर और परसवाड़ा में नक्सल एरिया होने के चलते सुबह सात से दोपहर बाद 4 बजे तक का मतदान समय तय किया गया है। बालाघाट में नक्सल गतिविधियों के मद्देनजर जबलपुर में एक एयर एंबुलेंस और बालाघाट में एक हेलिकाप्टर रहेगा। एमपी में मतदान दलों के हेलिकाप्टर से पहुंचाने की आवश्यकता नहीं होती है। प्रदेश में जारी कुल 284503 शस्त्र लाइसेंस के विरुद्ध 272937 शस्त्र जमा कराए जा चुके हैं जो सौ फीसदी के करीब हैं। जो जमा नहीं हुए हैं वे आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों के पास या आत्मरक्षा वाले हैं। अभ्यर्थी मतदान केन्द्र के 200 मीटर के क्षेत्र के बाहर अपना स्टॉल लगा सकेगा। इसका व्यय अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय में जुड़ेगा। निर्वाचन संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए CEO Office में 24×7 Control Room बनाया गया है जिसका नंबर 0755-2990722 है। इसके अलावा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में शिकायत प्राप्त करने हेतु राज्य स्तरीय टोल फ्री नम्बर - 1800 2330 1950 है। जिलों में शिकायत हेतु टोल फ्री नम्बर (STD code) + 1950 है। लोकसभा निर्वाचन 2024 में पेड न्यूज का अब तक एक भी प्रकरण संज्ञान में नहीं आया है। राज्य स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग प्रमाणीकरण कमेटी (MCMC) द्वारा अब तक कुल 23 विज्ञापनों को प्रमाणित किया गया है। ये सभी 23 विज्ञापन भारतीय जनता पार्टी के हैं।

ट्रक में आग, कलेक्टर ने कहा-ईवीएम सुरक्षित

- **जबलपुर में प्रत्यक्षदर्शी बोले-बिजली के तारों में स्पार्किंग से हादसा, चुनाव के काम से आया था ट्रक**

भोपाल। जबलपुर आए ट्रक में गुरुवार सुबह 9.30 बजे आग लग गई। शुरुआत में जानकारी सामने आई कि ट्रक में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) थीं। हादसा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कैम्पस में हुआ। विश्वविद्यालय में रिसर्च कर रहे प्रत्यक्षदर्शी छात्रों ने बताया कि ट्रक EVM के काम से आया था। कलेक्टर दीपक सक्सेना भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बताया, ट्रक पानी की बोतलें लेकर आया था। EVM सुरक्षित हैं। विश्वविद्यालय कैम्पस में जिस जगह ट्रक ने आग पकड़ी, वहां बुधवार को ही गेहूं की कटाई हुई है। ट्रक की लपटों की वजह से पराली में आग लग गई थी। विश्वविद्यालय में मौजूद फायर ब्रिगेड की टीम ने आग को बुझाया। ट्रक का पीछे का हिस्सा पूरी तरह जल गया। विश्वविद्यालय के छात्र ने बताया कि विश्वविद्यालय के जिस स्थान पर ट्रक में आग लगी वहां पर कल ही गेहूं की कटाई हुई है। अगर गेहूं लगा रहता तो निश्चित रूप से बड़ा नुकसान हो सकता था, पूरी गेहूं की फसल में आग लग सकती थी।

23 साल की शिवानी ने लड्डू गोपाल से किया विवाह

- **भगवान को हाथ लगाकर अपनी मांग भरी ; ग्वालियर से वृंदावन विदा**

भोपाल। ग्वालियर की 23 साल की शिवानी परिहार ने अपना बाकी का जीवन भगवान लड्डू गोपाल के चरणों में अर्पित कर दिया। बुधवार शाम उन्होंने भगवान के साथ विवाह किया। बारात वृंदावन (मथुरा) से आई। पीतल के बाल रूपी कृष्ण को दूल्हे की तरह श्रृंगार करके पंडित, साधु, संत और कृष्ण भक्त लेकर आए। गुरुवार को शिवानी वृंदावन के लिए विदा हो गईं। उन्होंने बताया, 4-5 दिन बाद दूसरी विदाई होगी, इसके

एक महीने बाद फिर वृंदावन जाऊंगी। वहां 4 - 5 साल रहकर अध्ययन करूंगी। भागवत और शिव पुराण पढ़ूंगी। मैं शिव जी को भी बहुत मानती हूं। शिवानी ने B.Com किया है। उन्होंने लड्डू गोपाल को हाथ लगाकर मांग में सिंदूर भरा, तब वे यह भजन भी गुनगुना रही थीं, 'बसो मेरे नैनन में नंदलाल...।' ये पंक्तियां कभी मीरा बाई ने श्रीकृष्ण से अपने प्रेम का इजहार करने के लिए गाई थी। विवाह कैंसर पहाड़ी पर बने शिव मंदिर में हुआ। वृंदावन और ग्वालियर के पंडितों ने साथ मिलकर विवाह की रस्में करवाईं। ग्वालियर के दामाद लड्डू गोपाल को द्वारचार कराया। मंडप में शिवानी का कन्यादान उन्हें बेटी की तरह मानने वाले गौरव शर्मा और उनकी पत्नी ने किया। पुजारियों के मंत्रोच्चार के बीच इस विवाह की खासियत यह रही कि फेरों के वक्त वृंदावन से आए पंडितों ने कृष्ण की वंशावली सुनाई।

जो नाराज थे, लड्डू गोपाल के आगे पिघल गए: शिवानी परिहार ने कहा, मैंने 7 साल पहले भगवान लड्डू गोपाल के साथ विवाह करने का संकल्प लिया था। मेरी बहन और रिश्तेदार जो लोकलाज के चलते नाराज थे, वे भी लड्डू गोपाल के आगे पिघल गए। घर में नाच-गाना और मंगलगीत गाए गए। मैं इतना कहूंगी कि ऐसे वर को क्या वरुं, जो जनमे और मर जाए, क्यों न ठाकुर को वरुं, जो मेरा जोड़ा अमर हो जाए। मैं अब श्याम सुंदर की दासी बन गई।